तापमान
अधिकतम 16.2 डिग्री
न्यूनतम 3.6 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 14 जनवरी 2024

12 गांव-गांव घर-घर जाकर सरकार की नीतियों की जानकारी दें

12 डीएवी कॉलेज में मनाया लोहड़ी पर्व

खबर संक्षेप

हेरोइन तस्करी के मामले का आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना महेशनगर क्षेत्र के भगवान परशुराम मंदिर के पास से मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में पुलिस ने आरोपी आर्यन उर्फ खुरपा को गिरफ्तार किया है। पुलिस दल को सूचना मिली थी कि आरोपी मादक पदार्थों की तस्करी का कार्य करता है। सूचना के आधार पर पुलिस 1 ग्राम 52 मिलिग्राम हेरोइन के साथ काबू किया। इसके बाद उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

11 बोतल शराब सहित आरोपी काबू

अंबाला। थाना नारायणगढ़ क्षेत्र में अवैध शराब की तस्करी के मामले में पुलिस ने गांव डेरा के पृथ्वी सिंह को काबू किया है। तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 11 बोतल शराब जब्त की। अब पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। काफी दिन से पुलिस को आरोपी के शराब तस्करी में संलिप्त होने की शिकायत मिल रही थी।

हथवाला चौकी पुलिस ने शराब तस्कर पकड़ा

पानीपत। थाना समालखा की हथवाला चौकी पुलिस ने यमुना बांध के नजदीक एक युवक को 15 बौतल अवैध देसी कच्ची शराब सहित गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान सुरेंद्र निवासी गांव राक्सेहडा जिला पानीपत के रूप में हुई। थाना समालखा प्रभारी इंस्पेक्टर फुलकुमार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना समालखा में एक्साइज एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करवाया गया है।

ट्रक की टक्कर से रिक्शा चालक की मौत

यमुनानगर। जगाधरी-अंबाला रोड पर होटल एल्पाइन के पास ट्रक की टक्कर से रिक्शा चालक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त के लिए शवगृह में रखवा दिया।
पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

समाज के हर वर्ग के कल्याण में जुटी सरकार : मुख्यमंत्री

मनोहर लाल ने शनिवार को शहर की बसंत विहार कॉलोनी में लोगों से जनसंवाद किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

मुख्यमंत्री मनोहर लाल बसंत विहार कॉलोनी में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि सरकार हर वर्ग के कल्याण में जुटी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत लोगों को 50 हजार से 2 लाख रुपये का ऋण दिलाया जा रहा है। गांवों में महिलाओं के स्वयं सहायता समूह गठित किये गये हैं जो सिलाई, कढ़ाई, बुनाई जैसे छोटे कार्य करके 10 से 15 हजार रुपये महीना कमा रही हैं। उन्होंने बताया कि दुनिया में 2021 में गरीबी का एक सर्वे हुआ था जिससे पता चला कि भारत में 13 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे हैं। विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य यही है कि हर नागरिक यह संकल्प ले कि 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बने। अभी वश्वि में 37 देश ही विकसित हैं। सरकार का प्रयास है कि हर परिवार आर्थिक रूप से मजबूत बने। उन्होंने बताया कि वार्ड एक में 3100 नये राशन कार्ड बने हैं। आयुष्मान योजना के तहत करनाल में 3700 लोगों का मुफ्त इलाज पर सरकार ने 14 करोड़ रुपये खर्च किये हैं।

■ 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लें

मुख्यमंत्री शनिवार यहां वार्ड एक की बसंत विहार कॉलोनी में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने लोगों को लोहड़ी और मकर संक्रांति के साथ-साथ 22 जनवरी को अयोध्या में किये जाने वाले राम मंदिर उद्घाटन की शुभकामनायें दी। साथ ही बताया कि 26 जनवरी को करनाल पुलिस लाईन में आयोजित किये जाने वाले गणतंत्र दिवस समारोह में भी वे खुद शिरकत करेंगे।

दस हजार शिकायतों का निपटारा किया जा चुका

मुख्यमंत्री ने बताया कि जनसंवाद कार्यक्रमों के माध्यम से प्राप्त 60 हजार शिकायतें पोर्टल पर दर्ज की जा चुकी हैं। इनमें से दस हजार का निपटारा किया जा चुका है और 25 हजार पाईप लाईन में हैं। मुख्यमंत्री ने उचाना के पास फुटओवर ब्रिज बनाने, वार्ड के तहत आने वाले पांच गांवों को लाल डोरा मुक्त करने, गलियों में स्टार्म वाटर के लिये पाइप लाईन बिछाने और बलड़ी गांव में दो एकड़ में सामुदायिक केंद्र और अगले शैक्षणिक सत्र से पूर्व स्कूल के भवन को नया बनाने की मांग को पूरा करने का ऐलान किया।आज जनसंवाद कार्यक्रम में सेठपाल, लीला देवी, रोशनी, दर्शना देवी और सुभाष चंद्र की मौके पर ही पैंशन बनाई गई। पांचों को मुख्यमंत्री ने पैंशन स्वीकृति संबंधी प्रमाण पत्र सौंपा। साथ ही बताया कि इस वार्ड में 1970 लोग पैंशन पा रहे हैं।

ये रहे मौजूदः

इस अवसर पर इंद्री के विधायक रामकुमार कश्यप, भाजपा जिला अध्यक्ष योगेंद्र राणा, नगर निगम महापौर रेनू बाला गुप्ता, स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के उपाध्यक्ष सुभाष चंद्र, डप्टिी मेयर नवीन कुमार, मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि संजय बठला, जिला महामंत्री सुनील गोयल व राजबीर शर्मा, मंडल अध्यक्ष मोहन सैनी, मंडल महामंत्री कर्मबीर कल्याण, भाजपा नेता राज सिंह गोदारा, रघुमल भट्ट, ईलम सिंह, नरेंद्र, सतीश पोसवाल, राम चरित मानस स्कूल के निदेशक संदीप गौतम, उपायुक्त अनीश यादव, पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन, एडीसी डा. वैशाली शर्मा, नगर निगम आयुक्त अभिषेक मीणा, संयुक्त आयुक्त अदिति सहित विभिन्नि विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

टायर शोरूम की सीढ़ियों पर लटके मिले युवक के शव

शोरूम संचालक व उसके लड़के के खिलाफ केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

शहर के विश्वकर्मा चौक के नजदीक स्थित टायर शोरूम की सीढ़ियों पर लटके मिले पटेल नगर निवासी गुलशन की मौत के मामले में पुलिस ने शोरूम संचालक व उसके लड़के के खिलाफ हत्या व जाति सूचक शब्द बोलने के आरोप में केस दर्ज किया है। पुलिस ने यह मामला मृतका की पत्नी की शिकायत पर दर्ज किया है। मामले में अभी आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार पटेल नगर निवासी रजनी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका पति गुलशन उर्फ सोनू शहर के विश्वकर्मा चौक के नजदीक स्थित टायर शोरूम पर काम करता था।

■ मामले में अभी आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया

मामले में की जा रही जांच

मामले की जांच कर रहे गांधीनगर थाना प्रभारी महरुफ अली ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ हत्या व जाति सूचक शब्द बोलने के आरोप में केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी।

ये आरोप लगाया

उसने आरोप लगाया कि टायर शोरूम का संचालक अरुण व उसका लड़का मोहित उसके पति के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते थे। आरोपी अक्सर उसे जाति सूचक शब्द बोलकर अपमानित करते थे। आरोपियों ने उसकी कई महीने की तनख्वाह भी रोकी हुई थी। उसने बताया कि गत वीरवार को उसका पति दोपहर का खाना खाकर काम पर चला गया था। मगर उसके बाद घर नहीं आया। जब उसने शोरूम संचालक से इस बारे बात की तो उसने कहा कि वह यहां से जा चुका है। गत शुक्रवार को उसके पति का शव सीढ़ियों पर लटका मिला था। उसने आरोप लगाया कि उसके पति की अरुण व मोहित ने हत्या की है। पुलिस ने मामले में दोनों आरोपियों अरुण व मोहित के खिलाफ धारा 302 व एससी एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

बदमाशों ने दुकानदार से छीने 35 हजार रुपये

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

गांव खदरी में दो बदमाशों ने खाद बीज की दुकान करने वाले दुकानदार से 35 हजार छीन लिए। आरोपियों में से एक व्यक्ति दुकान में दवाई लेने के बहाने से आया था। जब वह दवाई देने लगा तो आरोपी उसके हाथ से पैसे छीनकर फरार हो गया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गांव ब्राह्मण माजरा निवासी शिवचरण ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी गांव खदरी में हरियाणा ग्रामीण बैंक के पास खाद, बीज व दवाई की दुकान है। शुक्रवार शाम को वह दुकान पर काम कर रहा था। इस दौरान वह गल्ले से निकालकर पैसे गिनने लगा। उसने 35 हजार रुपये गिनकर रबड़ में डाल लिए। इस दौरान बाइक पर सवार होकर दो व्यक्ति उसकी दुकान के सामने रूके। एक व्यक्ति उसकी दुकान पर आकर दवाई मांगने लगा। जब वह आरोपी को दवाई देने के लिए आगे बढ़ा तो आरोपी उसके हाथ से 35 हजार रुपये छीनकर बाइक पर बैठकर फरार हो गए।

आरिफ हत्याकांड में पुलिस इंस्पेक्टर, एएसआई समेत छह के खिलाफ केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत से लगते उत्तर प्रदेश के कैराना निवासी आरिफ की हत्याकांड में मिलीभगत कर कत्ल के केस को रफा दफा करने वाले थाना चांदनी बाग के एसएचओ व एएसआई को जहां पुलिस अधीक्षक अजीत शेखावत ने पद से निलंबित किया है, वहीं सस्पेंड किए गए दोनों पुलिस अफसरों समेत छह लोगों पर 10 गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है। एसपी शेखावत के आदेश पर एएसपी मयंक मिश्रा की शिकायत पर चांदनीबाग थाना में मुकदमा नंबर 20 दर्ज किया गया है।

इस मुकदमे में थाना चांदनी बाग के थानेदार रहे इंस्पेक्टर कर्मबीर, एएसआई सतीश, अनूप उर्फ भांजा, राजेश मलिक, इशांत उर्फ ईशू और अनिल मदान को नामजद किया गया है। इनके अलावा जबकि सब इंस्पेक्टर बलविंद्र को पुलिस लाइन हाजिर करने के साथ-साथ उससे स्पष्टीकरण भी मांगा गया है। पुलिस ने उन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिन्होंने आरिफ की हत्या की थी।

इस तरह हुआ हत्याकांड का खुलासा

मामले का खुलासा उस वक्त हुआ, जब किसी तरह पुलिस और बीच में आए लोगों ने उनका समझौता करवाने की बात कही थी। इस मामले में इशांत ने दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता की थी। तथ्यों के अनुसार इशांत आरोपियों से काफी रुपए ले चुका था, जिनमें से मृतक के परिवार को नाम मात्र ही देने की पेशकश रखी गई। लेकिन मृतक के परिजनों ने कार्रवाई की ही मांग की थी। सैटिंग के इस खेल में थाना प्रभारी समेत अन्य सभी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से शामिल रहे।

प्रत्यक्षदर्शी की अनदेखी की

एसपी को भी उस वक्त हैरानी हुई, जब जांच के दौरान ढाबे के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में मार-मार कर मौत के घाट उतारने की वारदात कैद होनी मिली। इतना ही नहीं, वारदात की रात से ही पुलिस और मीडिया के सामने एक प्रत्यक्षदर्शी भी आया था। जिसने बताया था कि वह आरीफ के साथ था। आरोपियों ने उसे भी खूब पीटा था। लेकिन, किसी तरह वह वहां से बच निकला था। कुछ देर बाद आरीफ की मौत हो गई थी।

ढाबे में गए थे, वेटर से झगड़ा हुआ

बबैल नाका के पास रहने वाले राजू ने कहा कि 18 दिसंबर 2023 की रात करीब 7 बजे वह साथी आरिफ के साथ खाना खाने के लिए प्रेमी ढाबे में गया था। जहां आरिफ की ढाबे पर वेटर का काम करने वाले चौटाला नाम के युवक से कहासुनी हो गई। वहीं, बहस बढ़ने पर चौटाला ने आरिफ से मारपीट शुरू कर दी। बाद में उसने फोन कर अपने दोस्तों को भी वहां बुला लिया। उन्होंने वहां आते ही दोनों युवकों पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इसी बीच राजू वहां से भाग निकला। इसके बाद वे आरिफ को पीटते रहे। जिससे आरिफ की मौत हो गई।

हत्या को बीमारी से हुई मौत बताया

सूचना मिलने पर परिजन भी मौके पर पहुंचे। मृतक आरिफ के भाई नफीस ने बताया कि वे मामले की शिकायत लेकर पुलिस के पास गए। जहां पुलिस ने परिजनों को कहा कि वे लिख कर दे दें कि आरिफ पिछले आठ दिन से बीमार था। जिससे उसकी मौत हो गई, जबकि परिजनों के साथ मारपीट का चश्मदीद राजू भी गया था। यहां पुलिस ने आरोपी चौटाला को भी हिरासत में ले लिया है। मगर पुलिस ने हत्या होने से नकारते हुए प्राकृतिक मौत होने का ही दबाव बनाया।

पुजारी के परिवार से मारपीट कर की लूटपाट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| घरौंड

सीसीटीवी कैमरे में कैद चोर।

सर्विस रोड पर स्थित साईं मंदिर में हथियारबंद चार बदमाशों ने मंदिर में घुसकर पुजारी के परिवार से मारपीट करते हुए हजारों रुपए की नगदी व मोबाइल लूट कर ले गए। मामला शुक्रवार की देर रात करीब एक बजे का है। लूट की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और एफएसएल की टीम की मदद से जांच में जुट गई है।

■ पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद

साईं मंदिर के पुजारी मुकेश कुमार ने बताया कि शुक्रवार की रात को मंदिर के पिछली तरफ अपने मकान में हर रोज की तरह सोए हुए थे। रात्रि के करीब एक बजे चार नकाबपोश बदमाश मंदिर की दीवार फांद कर घुस जाते हैं और मकान के अंदर अंटर होते ही साइड वाले कमरे में जिसके अंदर उसके दोनों बेटे सोए हुए थे। उन पर हथियार तान कर एक बेटे का मोबाइल वह उनके पास रखी तीस हजार रूपये की नगदी छीनकर लड़के के साथ मारपीट करते हैं। इतने मे उनका लड़का शोर मचा देता है। और आवाज सुनकर दूसरे कमरे से मै मेरी पत्नी उठकर जैसे ही बाहर निकलते हैं तो दो चोर पोड़ियों के रास्ते से भागने लगते हैं जैसे ही तीसरा चोर बाहर भागने की कोशिश करता है तो वह उसका पांव पकड़ लेता है और इतने में चौथा चोर जिसके हाथ में राड थी उन पर हमला बोल देता है।इस हमले में वह घायल हो जाते हैं और चारों चोर फायदा उठाकर दीवार बांधकर भागने में कामयाब हो जाते हैं। घटना की सूचना तुरंत ही पुलिस को दी जाती है।सूचना मिलते ही डायल 112 की गाड़ी मौके पर पहुंच जाती है। और एफएसएल की टीम की मदद से पूरे घटना की जांच की जा रही है।वारदात की पूरी घटना सीसीटीवी टीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की मदद से जांच आरंभ कर दी है।

सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए आठ से शुरू होगा पंजीकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

भारतीय सेना अग्निवीर स्कीम के तहत वर्ष 2024-25 के लिए सेना में भर्ती प्रक्रिया शुरू होने वाली है। भर्ती निदेशक कर्नल बीएस बिष्ट ने बताया कि प्रदेश के 6 जिलों अंबाला, कैथल, कुरूक्षेत्र, करनाल, यमुनानगर, पंचकुला और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के पुरूष अभ्यार्थियों तथा दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल एवं चंडीगढ़ की महिला अभ्यार्थियों के लिए पंजीकरण 8 फरवरी 2024 से 21 मार्च 2024 तक होगा। सभी योग्य लाभार्थी वेबसाईट पर पंजीकृत करवा सकते हैं। यह रैली पुरूष वर्ग में अग्निवीर (सामान्य कत्तव्य), अग्निवीर (तकनीकी), अग्निवीर (लिपिक/स्टोर कीपर तकनीकी) और अग्निवीर (ट्रेडमैन) तथा महिला वर्ग में (महिला मिलिट्री पुलिस) के लिए आयोजित की जाएगी।
अग्निवीर तकनीकी पदों के लिए चयनित विषयों में आईटीआई के योग्य उम्मीदवारों को वरीयता दी जाएगी।
उन्होंने कहा कि अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया गया है। पहले चरण में ऑनलाईन प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। दूसरे चरण में ऑनलाईन परीक्षा में मेरिट में चयनित अभ्यार्थियों को भर्ती रैली मे शामिल होने के लिए बुलाया जाएगा।

संकल्प यात्रा का स्वागत | साढ़ौरा के भी दो गांव में पहुंची विकसित भारत संकल्प यात्रा

प्रदेश भर में हो रहे हैं सभी इलाकों में समान रूप से विकास कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर के रादौर क्षेत्र के गांव सागड़ी में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में लोगों को शपथ दिलाते हुए पूर्व विधायक ईश्वर सिंह पलाका, साढ़ौरा क्षेत्र के गांव सबीलपुर जट्टान में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में स्टॉलों का अवलोकन करते पूर्व विधायक बलवंत सिंह। फोटो : हरिभूमि

विकसित भारत संकल्प यात्रा का रादौर व साढ़ौरा क्षेत्र के चार गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया। यात्रा के दौरान आयोजित जनसंवाद कार्यक्रमों में रादौर क्षेत्र में मुख्यातिथि के रुप में पूर्व विधायक ईश्वर सिंह पलाका व साढ़ौरा क्षेत्र में पूर्व विधायक बलवंत सिंह ने ग्रामीणों को केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं से अवगत करवाया। मौके पर उन्होंने ग्रामीणों को विकसित भारत की शपथ दिलाई गई। पूर्व विधायक ईश्वर पलाका ने रादौर के गांव सागड़ी व झींझरों में कामगार हो के लिए कल्याणकारी योजनाएं क्रियान्वित करके उन्हें धरातल पर लागू किया है। इस दौरान कार्यक्रम में कई लोगों के बीपीएल राशन कार्ड बनाए गए। कई लोगों को स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री दी गई व कई लोगों के आयुष्मान कार्ड व पेंशन बनाई गई।

■ ग्रामीणों ने किया भारत संकल्प यात्रा का स्वागत

साढ़ौरा क्षेत्र के गांव सबीलपुर जट्टान व भगवानपुर में यात्रा के दौरान आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में पूर्व विधायक बलवंत सिंह ने कहा कि देश को विकसित बनाने के लिए हर व्यक्ति के सहयोग की जरूरत है। सभी मिलकर देश के उत्थान के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि विकसित भारत जन संवाद संकल्प यात्रा के माध्यम से सरकार विकास की गारंटी के साथ आम जन तक पंहुचते हुए लोगों को और अधिक लाभ आबंटित कर रही है। मौके पर विकसित भारत जन संवाद संकल्प यात्रा के दौरान प्रचार वाहन पर एलईडी के माध्यम से केंद्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं को लघु फिल्म के रूप में दिखाया गया। इस दौरान लाभ पात्रों को स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्रियां वितरित की गई।

खबर संक्षेप

विवेकानंद जयंती पर पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

घरौंडा। भारत विकास परिषद् शाखा घरौंडा द्वारा स्थाई प्रकल्प फिजियोथेरेपी सैंटर पर राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद की जयंती के पावन अवसर पर उन्हें माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित का कार्यक्रम शाखा अध्यक्ष विकास सिंगला के प्रेरक मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। विकास सिंगला ने विवेकानंद के बारे में विस्तार से बताया कि उन्होंने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की थी वे स्वामी रामकृष्ण परमहंस के सुयोग्य शिष्य थे स्वामी विवेकानन्द ने सिखाया कि ज्ञान ही जीवन की आधारशिला है।

उचाना में अक्षत चावल निमंत्रण पत्र दिया

उचाना। आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शहर में अक्षत चावल, निमंत्रण दिया गया। समाज सेवी लाला रामनिवास करसिंधु ने कहा कि 22 का दिन देश के इतिहास का सबसे बड़ा दिन होगा। इस दिन अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा होगा।

राजेश को नेहरु युवा केंद्र ने किया सम्मानित

जींद। शिक्षण गतिविधियों तथा कब बुलबुल गतिविधियों से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले जिला समन्वयक एफएलएन एवं जिला संगठन आयुक्त राजेश वशिष्ठ को युवा दिवस कार्यक्रम में नेहरु युवा केंद्र डीवाईसी हरप्रीत सिंह ने सम्मानित किया।

'लोहड़ी बेटी' के नाम कार्यक्रम आज

घरौंडा। सामाजिक संस्था निफा की ओर से लोहड़ी त्योहार के अवसर पर कल रविवार को अग्रसेन भवन में सुबह 11:00 बजे लोहड़ी बेटी के नाम से एक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। निफा के हलका अध्यक्ष कमलकांत धीमान ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के इलावा विशेष कार्यक्रम लोहड़ी पेंटिंग का रहेगा। उन्होंने बताया कि यह पूरा कार्यक्रम बेटियों के नाम समर्पित रहेगा। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता एडवोकेट डॉक्टर नीतू राठोर विशेष तौर पर उपस्थित रहेंगी।

मुख्यमंत्री ने जन संवाद के दौरान लोहड़ी पर्व के मौके पर जरीफाबाद के स्कूली बच्चों को सरकारी बस का दिया तोहफा

योजना के तहत वंचित लोगों को उपलब्ध होंगे पक्के मकान

गांव में विकास कार्यों का खोला पिटारा, सेवा स्कूली बच्चों की छुट्टी समाप्त होने के बाद 16 जनवरी से शुरू हो जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ करनाल

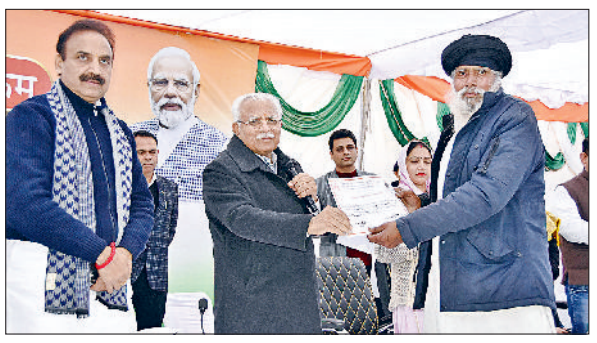

मुख्यमंत्री मनोहर लाल अपने निर्वाचन विधानसभा क्षेत्र के गांव जरीफाबाद में जन संवाद के दौरान लोहड़ी पर्व के मौके पर स्कूली बच्चों को सरकारी बस का तोहफा दिया। अब इन बच्चों को अपने गांव जरीफाबाद से मंजूरा स्कूल तक पैदल नहीं जाना पड़ेगा। यह सेवा स्कूली बच्चों की छुट्टी समाप्त होने के तुरंत बाद 16 जनवरी से शुरू हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने गांव जरीफाबाद में विकास कार्यों का भी पिटारा खोल दिया। जन संवाद कार्यक्रम में गांव की महिला सरपंच संतोष देवी द्वारा गांव में ड्रेन का नवीनीकरण, स्कूली बच्चों के लिए सरकारी बस सेवा, शमशान घाट का पक्का रास्ता, गांव में पंचायती जमीन से इंद्रपैलेस तक खेत के रास्ते को पक्का करना, पुस्तकालय का नवीनीकरण तथा विभिन्न समुदायों की चौपाल के नवीनीकरण करवाने की मांग मुख्यमंत्री के समक्ष रखी गई। मुख्यमंत्री ने ग्राम पंचायत द्वारा रखी गई लगभग सभी मांगों को पूरा करने की घोषणा की।

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष योगेंद्र राणा, नगर निगम महापौर रेनू बाला गुप्ता, मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि संजय बठला, सीनियर डिप्टी मेयर राजेश अग्गी, जिला महामंत्री सुनील गोयल, सरपंच प्रतिनिधि प्रवीण शर्मा, काछवा के पूर्व सरपंच बिट्टू, कलामपुरा के सरपंच रणजीत सिंह, हरपाल कलामपुरा तथा प्रशासन की ओर से उपायुक्त अनीश यादव, पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन, एडीसी डा. वैशाली शर्मा, नगर निगम आयुक्त अभिषेक मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जन संवाद कार्यक्रम में 6 पात्र व्यक्तियों की मौके पर बनाई पेंशन, सीएम ने सौंपा प्रमाण पत्र

जन संवाद कार्यक्रम जरीफाबाद के 6 लोगों के लिए उस समय वरदान साबित हुआ जब मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने मौके पर ही उनकी पेंशन लागू करने के निर्देश दिए। जिला समाज कल्याण अधिकारी सत्यवान ढिलौड़ ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत प्रभाव से पेंशन लागू कर दी और उनको मुख्यमंत्री के कर कमलों से पेंशन लागू होने के प्रमाण पत्र भी वितरित करवाए। इन लाभार्थियों में गुरमीत सिंह, संतोख सिंह, पूर्ण सिंह, मान कौर, कर्म चंद तथा नकली राम के नाम शामिल हैं।

भाजपा ने हमेशा संतों को दिया सम्मान

- प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बताया कि अयोध्या जी में हवाई अड्डे का भगवान वाल्मीकि नाम रखने पर देशभर के वाल्मीकि समाज में खुशी का माहौल बना हुआ है

हरिभूमि न्यूज ▸▸ करनाल

करनाल। समुख्यमंत्री मनोहर लाल को शाल भेंटकर आभार जताते सुभाष चंद्र।

वाल्मीकि समाज ने अयोध्या धाम एयरपोर्ट का नाम महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट रखने पर खुशी जताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल का आभार व्यक्त किया। खुशी जाहिरकरते हुए वाल्मीकि समाज के लोगों ने आज स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के कार्यकारी वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्र की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री मनोहर लाल को पुष्प गुच्छ व शाल भेंटकर आभार जताया तथा मिठाई खिलाकर मुंह मीठा करवाया। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बताया कि अयोध्या जी में हवाई अड्डे का भगवान वाल्मीकि नाम रखने पर देशभर के वाल्मीकि समाज में खुशी का माहौल बना हुआ है। इस अवसर पर सुभाष चंद्र ने कहा कि रामायण के रचियता आदिकवि महर्षि वाल्मीकि के नाम पर एयरपोर्ट का नाम रखकर भारत सरकार ने अयोध्या धाम को संपूर्णता प्रदान करने का कार्य किया है। उन्होंने विश्व हिंदू परिषद का भी आभार व्यक्त किया जो कि अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि मंदिर बनाने को लेकर कृत संकल्प है। प्रतिनिधि मंडल से बातचीत में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि केंद्र व प्रदेश की सरकार हमेशा संतों और महात्माओं को सम्मान देती आई है। अयोध्या के महर्षि वाल्मीकि हवाई अड्डे को अंतर्राष्ट्रीय दर्जा का फैसला अयोध्या की आर्थिक क्षमता बढ़ाने, वैश्विक तीर्थ स्थल के रूप में इसके महत्व को साकार करने और विदेशी तीर्थयात्रियों व पर्यटकों के लिए दरवाजे खोलने का काम करेगा। अपनी गहरी सांस्कृतिक जड़ों के साथ अयोध्या रणनीतिक रूप से एक प्रमुख आर्थिक केंद्र और तीर्थस्थल के रूप में भी विकसित होगा। इस दौरान उनके साथ समाज के रघुवीर गागट, रघुमल भट्ट, प्रवीण कुमार, रवि सौदा, ललित परोचा, दीपक वाल्मीकि, कर्मवीर कल्याण, सुभाष मुम्बक, पवन वाल्मीकि, पवन प्रधान निसिंग, गोपाल सहित समाज के अनेकों गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

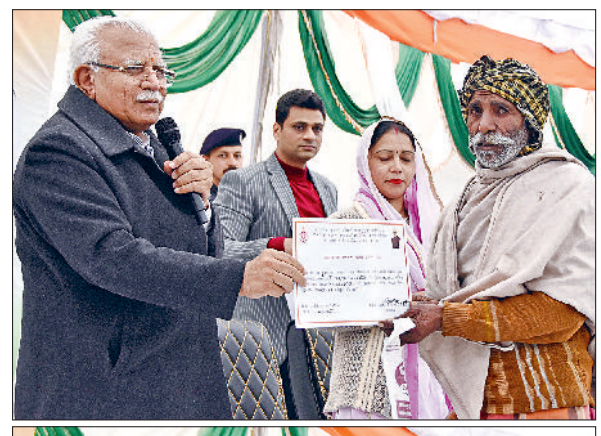

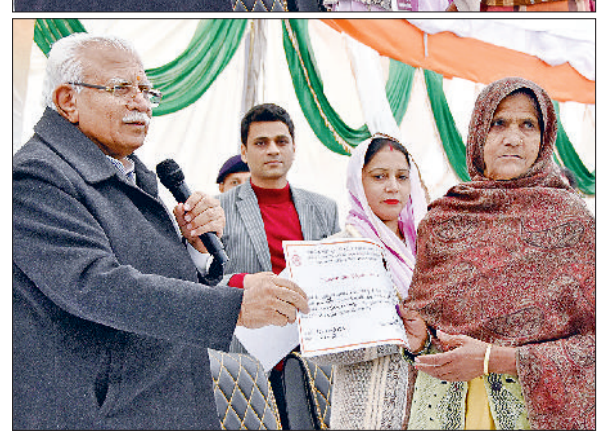

योग्गिंग जॉगिंग के 12 अभ्यास सिखाये

हरिभूमि न्यूज ▸▸ करनाल

भारत स्वाभिमान, पतंजलि योग समित्ति एवम आयुष विभाग करनाल के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय योग विज्ञान शिविर का आयोजन एम डी डी बाल भवन फूसगढ़ रोड़ करनाल में किया जा रहा है। बाल भवन के निदेशक पी आर नाथ ने योगा टीम का गर्म जोशी के साथ स्वागत किया। दूसरे दिन के शिविर का शुभारंभ वेद मंत्रों के साथ जिला अध्यक्ष सोमनाथ अरोड़ा ने किया। योग्गिंग जॉगिंग के 12 अभ्यास बड़ी सहजता के साथ सिखाये। ताड़ आसन, वृक्ष आसन, उत्कट आसन, गरुड़ आसन एवम वृक्ष आसन का अभ्यास करवाये। उन्होंने बताया कि गरुड़ आसन घुटनों की एलाइनमेंट के लिये बहुत बढ़िया अभ्यास है। जिन बच्चों के घुटने चलते हुए आपस मे टकराते हैं, उनके लिए गरुड़ आसन रामबाण का कार्य करता है। आयुष विभाग से डॉ अमित पुंज ने बच्चों को अनुलोम विलोम प्राणायाम का सही तरीका समझाया। उन्होंने बताया कि अनुलोम विलोम प्राणायाम से न केवल खांसी नजले पर नियंत्रण रहता है बल्कि स्मरण शक्ति बढ़ाने आदि विशेष योगाभ्यास करवाये। उन्होंने बताया कि नियमित योगाभ्यास से ही स्वस्थ जीवन की कामना की जा सकती है। सोमनाथ अरोड़ा ने प्राणायाम की मेहता बताई तथा भ्रामरी, उदगीत प्राणायाम करवाया। भजन के साथ तालिवादन करवाया।

संकल्प यात्रा फायर ब्रिगेड कार्यालय पहुंची

हरिभूमि न्यूज ▸▸ तरावड़ी

विकसित भारत संकल्प यात्रा तरावड़ी के अंजनथली रोड पर फायर ब्रिगेड कार्यालय में पहुंची। जिसका उपस्थित लोगों द्वारा पूरे जोश के साथ स्वागत किया गया। कार्यक्रम फायर ब्रिगेड ग्राऊंड में आयोजित किया गया। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में विधायक धर्मपाल गोंदर व पूर्व विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी वाली गाड़ी प्रदेश के हर गांव व वार्ड में जा रही है। हरियाणा के सभी गांवों के साथ-साथ शहरों के सभी वार्डों को यह कवर करेगी। इस गाड़ी के आने का मकसद यही है कि प्रदेश व केन्द्र सरकार द्वारा जो योजनाएं लोगों के कल्याणार्थ शुरू की गई हैं, उनमें से एक भी लाभार्थी इन योजनाओं का लाभ हासिल करने में पीछे न रहे। सरकार आपके द्वार यानी गांव में आकर सरकार द्वारा क्रियान्वित योजनाओं के बारे में जानकारी दे रही है। योजनाओं का लाभ लेने के लिए लोगों को दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़े, इसके लिए सभी अधिकारी मौके पर ही उपस्थित होकर जो भी योजनाओं से सम्बन्धित पात्र व्यक्ति हैं, उनका मार्गदर्शन करते हुए उन्हें योजनाओं का लाभ दिलवाने का काम कर रहे हैं। इसके बाद विकसित भारत यात्रा नीलोखेड़ी नगरपालिका पहुंची। यह कार्यक्रम बजरंग सेवा दल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने लाभार्थियों से सीधा संवाद करते हुए कहा कि 'विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद' अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए शुरू की गई है। आज देश का कोना-कोना आत्मविश्वास से भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान समय-समय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से लाभार्थियों को दिया गया मार्गदर्शन अद्भुत रहा है।

यात्रा जनता को घर-घर जाकर योजनाओं से जोड़ रही

विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद घर-घर जाकर जनता को योजनाओं से जोड़ रही है और उन लोगों तक पहुंचने का एक बड़ा माध्यम बन गई है जो अब तक सरकारी योजनाओं से नहीं जुड़ पाए हैं। यदि कोई पात्र व्यक्ति किसी वजह से सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं ले पाए हैं तो वे अब इस यात्रा के दौरान अपने गांव में ही आवेदन कर योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। इससे पूर्व दोनों कार्यक्रमों में अतिथियों द्वारा विभिन्न विभागों की ओर से लगाई गई स्टॉलों का अवलोकन किया और कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा जन संवाद लोगों के लिए वरदान साबित हो रहा है, क्योंकि मौके पर ही पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इस दौरान पात्र महिलाओं को उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त गैस कनेक्शन दिए गए तथा अन्य पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ भी दिया गया। इस अवसर पर चेयरमैन विरेंद्र बसंल, मंडल अध्यक्ष बलबीर, शिवनाथ कपूर, राजबीर शर्मा, अजीत अरोड़ा नगरपालिका सचिव, चमेल सिंह, अजमेर, उमा शंकर विस्तारक, लवली कुकरेजा, अर्जुन भाटिया आदि रहे।

प्रदेश में बनेगी इनेलो सरकार: अर्जुन सिंह

करनाल। युवा इनेलो कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन जाट भवन में किया गया। मुख्यतिथि के रूप मे इनेलो छात्र संगठन के राष्ट्रीय प्रभारी अर्जुन सिंह चौटाला ने की तथा विशिष्ट अतिथि के रूप मे युवा इनेलो प्रदेशाध्यक्ष उदयवीर सिंह राजौंद पहुंचे। अध्यक्षता करनाल जिला प्रधान मनिंदर सिंह पुनिया ने की। इस मौके पर इनेलो छात्र संगठन के राष्ट्रीय प्रभारी अर्जुन सिंह चौटाला ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा की प्रदेश में युवाओं के साथ बहुत बड़ा विश्वासघात किया जा रहा है। भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार की कुनीतियों की वजह से प्रदेश आज बेरोजगारी में नंबर एक पर पहुंच गया है। युवाओं को रोजगार देने के नाम पर बरगलाया जा रहा है सरकार अपने चहेते लोगों को नौकरियां देने के लिए हरियाणा कौशल के माध्यम से बैकडोर इंट्री कर रही है। वही उन्होंने दूसरी और सम्बोधित करते हुए कहा कि इनेलो सरकार बनने पर युवाओं को उचित मान सम्मान प्रदान किया जाएगा तथा योग्यतानुसार घर-घर मे रोजगार देने का काम किया जाएगा। वही उन्होंने युवा इनेलो द्वारा 21 जनवरी को कैथल मे आयोजित युवा इनेलो सम्मेलन का भी निमंत्रण दिया।

राष्ट्र के विकास में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका

हरिभूमि न्यूज ▸▸ करनाल

नेहरू युवा केंद्र करनाल, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के उपलक्ष्य में गत दिवस राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन बाबू मूलचंद जैन राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के परिसर में किया गया। इस कार्यक्रम में आईटीआई करनाल के प्राचार्य धर्मेन्द्र सिंह बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि, जिला युवा अधिकारी करनाल रेनू रानी, तथा अन्य उपस्थित विशिष्ट अतिथियों के द्वारा दी प्रज्वलन व स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया गया। इसके उपरांत जिला युवा अधिकारी द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया। अपने उद्बोधन में जिला युवा अधिकारी रेनू रानी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि उठो, जागो और तब तक नहीं रुके जबतक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए। जोश से भर देने वाली ये पंक्ति स्वामी विवेकानंद जी की ही हैं। स्वामी जी वो शख्सियत हैं जिससे आज सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि दुनिभाभर के करोड़ो युवा जीवन जीने की सीख लेते हैं। उनके प्रेरणादायी और जोशीले विचार युवाओं में जोश फूंकने का काम करते हैं और आगे भी शताब्दियों तक करते रहेंगे। यही वजह है कि 12 जनवरी का दिन भारत में राष्ट्रीय युवा दिवस के तौर पर भी मनाया जाता है। इस वर्ष राष्ट्रीय युवा दिवस मेरा भारत विकसित भारत ञ्च2047 की थीम के साथ पूरे भारत वर्ष में मनाया जा रहा है। विकसित भारत ञ्च2047 का आशय है कि वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना। विकसित भारत की पहचान है। अगले 24 सालों तक यानी वर्ष 2047 तक भारत की तरक्की का रास्ता कैसे तय होगा, इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़ी योजना का खाका सामने रख दिया है। साल 2047 तक भारत को विकसित देश के रूप में दुनिया के सामने लाने के लिए भारत का विजन डॉक्यूमेंट पेश किया जा चुका है।

आर्य युवती परिषद द्वारा यज्ञ कराया

करनाल। के.वी.ए. डी.ए.वी. महिला महाविद्यालय में लोहड़ी और मकर सक्रांति के शुभ अवसर पर महाविद्यालय की आर्य युवती परिषद द्वारा यज्ञ का आयोजन किया गया। यह आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्या मीनू शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। मुख्य यजमान हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा ठाकुर रही। महिला आर्य केंद्रीय सभा करनाल की ओर से संतोष व प्रिया जी ने मंत्रोच्चारण के साथ यज्ञ करवाया। सभी प्राध्यापिकाओं व छात्राओं ने यज्ञ में आहुति डाली। मुख्य यजमान डॉ. सुषमा ठाकुर ने छात्राओं को संबोधित करते हुए नव वर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं दी और जीवन में निरंतर परिश्रम करते हुए सफल होने का आशीर्वाद दिया। नववर्ष पर उमंग और उत्साह के साथ जीवन में अग्रसर होने की प्रेरणा दी। लोहड़ी व मकर संक्रांति त्यौहार के महत्व से सभी को अवगत करवाया। मूंगफली-रेवड़ी का प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापिका ज्योति खंडूजा व डॉ. संगीता गौरांग विशेष रूप से मौजूद रहीं। आर्य युवती परिषद की संयोजिका डॉ. स्वाति शर्मा सह-संयोजिका डॉ. सुनीता सलारिया, सदस्य डॉ. ईशा, अंशुल, सीमा रानी तथा महाविद्यालय की सभी प्राध्यापिकाओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया।

दिव्यागों के साथ मनाई लोहड़ी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ तरावड़ी

भारत विकास परिषद शाखा तरावड़ी की ओर से लोहड़ी और मकर सक्रांति पर्व की खुशियां दिव्यागजनों के साथ सांझी की गई। परिषद की ओर से अध्यक्ष योगेश मिड्ढा एवं सचिव राकेश हंस के नेतृत्व में तरावड़ी शहर की ई-लाईब्रेरी में लाईब्रेरियन मास्टर सतीश पंवार के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में सभी दिव्यांगजनों का सम्मान किया गया।

भारत विकास परिषद शाखा तरावड़ी के अध्यक्ष योगेश मिड्ढा एवं सचिव राकेश हंस ने कहा कि दिव्यांग हमारे समाज का एक अहम हिस्सा हैं, जो अधिकार सामान्य लोगों को है वही अधिकार इन दिव्यांगों को भी है। उन्होंने कहा कि हम सभी को दिव्यांगों का भी सम्मान करना चाहिए। सचिव राकेश हंस ने कहा कि भारत विकास परिषद शाखा तरावड़ी समाज के ऐसे लोगों के साथ ही हमेशा त्यौहारों की खुशियां सांझी करते हैं। भारत विकास परिषद शाखा तरावड़ी की ओर से त्यौहारों की खुशियां दिव्यांगजनों के साथ सांझी की गई। इस अवसर पर भारत विकास परिषद की ओर से सोहन लाल, मान सिंह, किरण रानी, परवेश, रामू, रिषी, सतपाल, सुनील, रिंकू, रमन, पवन, मनोज, रामू, सुनील, पवन, रेशमा समेत 30 दिव्यांगों को गर्म कंबल, मुफली, रेवड़ी व मिठाई वितरित की गई। इस अवसर पर अध्यक्ष योगेश मिड्ढा ने कहा कि भविष्य में भी भारत विकास परिषद की ओर से जरूरतमंदों की हरसंभव मदद की जाएगी।

फैजलीपुर, अंधेड़ा और बरसत पहुंची विकसित भारत संकल्प यात्रा

जनता अब विपक्ष के बहकावे में आने वाली नहीं: कल्याण

हरिभूमि न्यूज ▸▸ घरौंडा

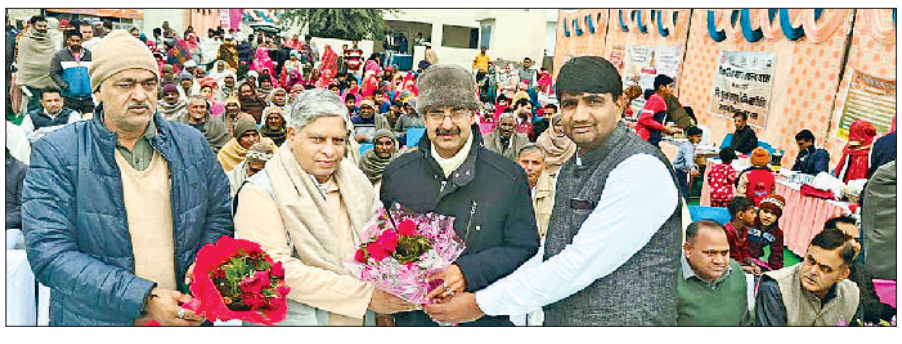

विकसित भारत संकल्प यात्रा आज जिला के गांव फैजलीपुर, अंधेड़ा और बरसत पहुंची। तीनों जगह भाजपा विधायक हरविंद्र कल्याण ने बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने गरीबों के लिये कुछ नहीं किया। वोट की खातिर जरूर उन्हें बरगलाया गया। अब जनता जागरूक हो चुकी है और झांसे में आने वाले नहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हर वर्ग के कल्याण के लिये योजनायें बनाई हैं और उन्हें धरातल पर भी पहुंचाया है। लोगों को इन योजनाओं का लाभ मिलना शुरू हो गया है। आज गरीबों को आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख रूपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है। पहले धन अभाव के कारण गरीब अपना इलाज भी समय पर नहीं करा पाते थे। तीनों गांवों में सरपंचों ने विधायक का स्वागत किया। कल्याण ने सर्वप्रथम विभिन्न विभागों की ओर से लगाये गये स्टाल्स का अवलोकन किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का संदेश सुनाया गया और हरियाणा के विकास पर बनी लघु फिल्म दिखाई गई। लोकसंपर्क एवं भाषा विभाग के गायक कलाकारों ने विकासात्मक गीत प्रस्तुत किये। अंधेड़ा में विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक रमेश कश्यप और फैजलीपुर में सुदर्शन जुनेजा ने भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ दिलाई। इस मौके पर विधायक द्वारा गांव में 9 साल में कराये गये विकास कार्यों की जानकारी दी गई। कल्याण ने इस मौके पर कहा कि एक समय ऐसा था जब मंत्रियों, सांसदों अथवा विधायकों के चहेतों अथवा उनके रिश्तेदारों को ही नौकरी दी जाती थी लेकिन भाजपा सरकार ने इस बुराई को खत्म कर दिया है। अब युवाओं को मेटिर के आधार पर नौकरी दी जा रही है। गरीबों के बच्चे अफसर बन रहे हैं। प्रदेश में पिछले नौ साल में 1.10 लाख युवाओं को नौकरी दी जा चुकी है, 60 हजार नौकरियां पाइप लाईन में हैं। इस मौके पर उन्होंने हलके में कराये गये विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हलके में 70 नई सडक़ें और 40 पुल बनाए गए हैं, 15 स्कूलों को सीनियर सेकंडरी बनाया गया है, 7 नए पॉवर हाऊस स्थापित किए गए हैं, लड़कियों का कॉलेज बनवाया गया है, देश की दूसरी एनसीसी अकादमी मंजूर हो चुकी है, एक हजार करोड़ रुपये की लागत से हलके से रिंग रोड का निर्माण कार्य जारी है।

खबर संक्षेप

पटवारियों का आंदोलन जारी रहेगा

पानीपत। रेवेन्यू पटवार एवं कानूनगो एसोसिएशन के जिला पानीपत के प्रधान मुकेश कुमार, मीडिया प्रभारी सुधांशु, सर्व कर्मचारी संघ के जिला सचिव शिव कुमार ने कहा की सरकार को अपना नोटिफिकेशन सही तरीके से लागू कर देना चाहिए। पटवारियों की मांगो को मान कर इनका धरना समाप्त करा देना चाहिए यही सरकार के हित में है। जनता को परेशान होने से बचाना चाहिए। सचिव दिलावर ने बताया कि प्रांतीय कार्यकारिणी ने 3 जनवरी से शुरू हुए सांकेतिक धरना को फिर से 15 और 16 जनवरी को दो दिवसीय धरना की घोषण कर दी है। जान बूझ कर सरकार ने पटवारी व कानूनगो को धरना देने पर मजबूर कर दिया।

विधायक धर्म सिंह छौक्कर ने शॉल बांटी

पानीपत। कांग्रेस विधायक धर्म सिंह छौक्कर ने शुक्रवार को पुराना बस स्टैंड फ्लाई ओवर के नीचे रेहड़ी लगाने वालों को सम्मान स्वरूप शॉल व बरसात के मौसम से बचाव को लेकर छतरी वितरित की। वहीं छौक्कर ने कहा कि जरूरतमंद लोगों की सेवा करना हर सामर्थ नागरिक का कर्तव्य है।

श्याम बाबा के चरणों में अर्पित की अर्जियां

पानीपत। एक जनवरी को कीर्तन में पहुंची अर्जियों को श्याम प्रभु के चरणों में बाबा के खाटू दरबार में कीर्तन के आयोजक तीन बाणधारी मित्र मंडल के सदस्यगणों ने अर्पित किया। जिसमें मनोज जैन, अमित जैन, निशु बंसल, राजेश गुप्ता, अंकित गोयल, संदीप सिंघल, सोनू मित्तल और कपिल व सतीश आदि शामिल रहे। मनोज जैन ने बताया कि गत 1 जनवरी को नये साल के अवसर पर हमारे संगठन तीन बाणधारी मित्र मंडल द्वारा सेक्टर 13-17 में विशाल श्री श्याम संकीर्तन का आयोजन किया गया था। जिसमें बाबा श्याम जी के चरणों में अर्जी नाम से एक लैटर बाक्स लगाया गया था। जिसमें भक्तों ने अपनी अर्जी लिखकर डाली थी। जिन्हें आज खाटू दरबार में बाब श्याम जी के चरणों में अर्पित कर दिया गया है।

ट्रैफिक नियमों के प्रति जनता को जागरूक किया

पानीपत। आईबी कॉलेज में जारी 35 वें सड़क सुरक्षा सप्ताह को आगे बढ़ाते हुए कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए के एक जागरूकता अभियान चलाया गया जो की सड़क पर इस्तेमाल होने वालो ट्रैफिक सिम्बल्स को लेकर था। इस जागरूकता अभियान में बडी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अभियान की अगुआई रोड सेफ्टी क्लब के संयोजक प्रो पवन कुमार और संस्कारशाला क्लब के संयोजक प्रो. अश्वनी गुप्ता ने की और उन्होंने सड़क पर उपयोग होने वाले करीब 60 ट्रैफिक सिंबल्स के बारे में बच्चों को विस्तार से बताया। एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट राजेश कुमार ने कहा सड़क पर वाहन चलाते समय सभी को हेलमेट या सीट बेल्ट का प्रयोग करने के लिए हिदायत दी जाती है।

श्री राम मंदिर के दर्शन जरूर करूंगा

इसराना। इसराना हलके की जनता की सेवा करना ही मेरे जीवन का मुख्य लक्ष्य है। यह बात हलका इसराना विधायक एवं विधायक सभा आश्वासन कमेटी के सदस्य बलबीर सिंह वाल्मीकि ने इसराना के सिंचाई विश्राम गृह में पत्रकारवार्ता में कहे। मैं भगवान श्रीराम, माता सीता, हनुमान जी के साथ साथ अन्य देवी देवताओं में मेरी आस्था है और जनसेवा से जब भी समय मिलेगा वे अयोध्या में भगवान श्री राम के दर्शन करने जरूर जाएंगे।

सभी को सभी धर्मो को सभी छत्तीस बिरादरी को मिलकर त्यौहारो को मनाना चाहिए

सद्भावना, त्याग, अमन का संदेश देता है लोहड़ी पर्व : कुंडू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

लोहड़ी के त्योहार के मौके पर लोहड़ी की पूर्व संध्या पर सद्भावना मंच और राष्ट्रीय मजदूर किसान मंच के तत्वावधान में सांझी विरासत साड़ी सद्भावना लोहड़ी के नाम से एक कार्यक्रम आर्य कॉलेज में धूमधाम से मनाया गया। जिसमें पानीपत जिले के हजारों नागरिकों ने हिस्सा लिया और लोहड़ी के शाहीद दुल्ला भट्टी को याद करते हुए सलामी दी गई। इस अवसर पर सद्भावना मंच के धीरज गाबा ने बताया कि लोहड़ी त्योहार बहन भाईचारा ,त्याग और अमन का प्रतिक है। किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने नफरत मिटा कर भाईचारा बड़ाने का संदेश दिया और सांझे शहीद दुल्ला भट्टी को क्रांतिकारी अभिवादन दिया।

पानीपत। लोहड़ी पर्व में शिकरत करते हुए सचिन कुंडू समेत गणमान्य नागरिक। फोटो :हरिभूमि

वशिष्ठ अतिथि समाज सेविका निर्मला दत्त ने भी भावुक भाईचारे का संदेश दिया। युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सचिन कुंडू ने सभी मेहमानों का स्वागत किया और उन्होंने कहा की सभी को सभी धर्मो को सभी छत्तीस बिरादरी को मिलकर त्यौहारो को मनाना चाहिए। कुशल मंच संचालन सद्भावना मंच के गौरव कंसल ने किया। इस अवसर पर पूर्व स्पीकर कुलदीप शर्मा समालखा से विधायक धर्म सिंह छोक्कर, इसराना से विधायक बलवीर वाल्मीकि, वीरेंदर शाह, विक्रम शाह, विजेंद्र कादयान, खुशीराम जागलान, मुकेश टुटेजा, रमेश मलिक, दीपक खटकड़, ओमबीर पंवार, सुरेश आर्य, धर्मेंद्र अहलावत, बिंटू मलिक समेत बडी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया।

भगवान की पूजा से बढ़ कर है जरूरतमंदों की सेवा : जैन

पानीपत। समाज सेवा संगठन की ओर से गांव मेहराना के पास राधा स्वामी सत्संग भवन में आस पास के झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले बुजुर्गो औरतों व बच्चों को कम्बल व गर्म कपड़े वितरण किए गए। संगठन अध्यक्ष प्रवीण जैन ने बताया समाज सेवा संगठन की ओर से इस वर्ष के गर्म कपड़े वितरण अभियान के तहत आज मेहराना के पास राधा स्वामी सत्संग भवन में आस पास की झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले बुजुर्गो औरतों व बच्चों को कम्बल व गर्म कपड़े वितरण किए जैन ने कहा हम बहुत ही भाग्य शाली है हमे लोहड़ी के शुभ अवसर पर आज जरूरत मंद बच्चो महिलाओं व बुजुर्गो का हम कुछ सहयोग कर सके ये भी हमारे समाज का ही हिस्सा है इनका हमको सहयोग करना चाहिए और आज लोहड़ी का बहुत ही शुभ दिन आज के दिन का दान का बहुत बड़ा महत्व है और कहते हैं। जरूरी नहीं हर वक्त जुबा पर प्रभु का नाम आए वो भी प्रभु भगति है जब किसी जरूरत मंद के काम आए अगर किसी की भी नजर में ऐसा कोई परिवार हो जिसको गर्म कपड़ों की जरूरत है तो 9812863034 पर सम्पर्क करें बताए हमारी कोशिश होगी जरूरत मंद का कुछ सहयोग हो सके ये आभियान 14 जनवरी मकर्षक्रांति के उपलक्ष पर सुबह अग्रवाल मंडी ऑफिस पर दोपहर असंध रोड झुग्गी झोपड़ी में होगा। इस अवसर पर प्रवीण जैन नीरज जैन ,गंगा गुप्ता,भोला मेहता आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

छात्राओं ने लोहड़ी मनाई

पानीपत। चौधरी देवीलाल मेमोरियल कन्या महाविद्यालय गांव सिवाह जिला पानीपत में लोहड़ी और मकर सक्रांति का उत्सव मनाया गया। जिसमें छात्राओं के द्वारा नृत्य व गायन प्रतियोगिता में भाग लिया गया। वहीं, कॉलेज कार्यवाहक प्राचार्या डॉक्टर सुमन लता ने छात्राओं को उत्साहित करते हुए कहा कि काट ना सके कोई पतंग आपकी टूटे ना कभी डोर आपके विश्वासों की, छूलो जिंदगी की सारी कामयाबी जैसे पतंग छूती है ऊंचाइयां आसमान की। इस अवसर पर कॉलेज के महासचिव लाभ सिंह कादियान व समिति सचिव जयप्रकाश कादियान ने सभी छात्राओं को मकर संक्राति शुभकामनाएं दी।

एसडी कॉलेज में भव्यता के साथ मनाया गया लोहड़ी पर्व

पानीपत। एसडी पीजी कॉलेज में लोहड़ी पर भव्य समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने कॉलेज प्रधान दिनेश गोयल, उप प्रधान राजीव गर्ग, प्राचार्य डॉ.अनुपम अरोड़ा और स्टाफ सदस्यों के साथ हिस्सा लिया और डीजे की धुनों पर जमकर डांस किया। इस अवसर सैंकड़ों छात्र-छात्राओं ने सामूहिक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया और आग जलाकर और रेवड़ी-मूंगफ ली-गजक की महक के साथ डीजे एवं गीत-संगीत की धुनों पर जमकर नृत्य किया। छात्र-छात्राओं के एकल नृत्य से कार्यक्रम की शुरूआत के बाद कार्यक्रम लोहड़ी की आग के ईद-गिर्द सामूहिक नृत्य के साथ यौवन पर पहुंचा। कार्यक्रम का शुभारम्भ कॉलेज प्रधान दिनेश गोयल ने अग्नि प्रज्ज्वलित कर किया। उप प्रधान राजीव गर्ग ने अपनी शेरो.शायरी और प्रेरणापूर्ण वक्तव्य से युवाओं में उर्जा का संचार किया । वहीं आज की गतिविधियों में आकर्षण का केंद्र एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा शाम के समय पानीपत नहर के आस-पास स्थित झुग्गी-झोपडियों में जाकर मूंगफली और रेवड़ी को गरीब बच्चों में वितरित करना रहा। जिससे उन वंचित बच्चों एवं परिवारों के मुख पर भी मुस्कराहट आ गई। दिनेश गोयल ने कहा कि आशंकाओं कठिनाइयों एवं शंकाओं के बावजूद भी निरंतर गतिशील एवं धैर्यवान बने रहने का नाम ही जीवन है। प्राचार्य डॉ.अनुपम अरोड़ा ने विद्यार्थिओं को संबोधित करते हुए उन्हें लोहड़ी का त्यौहार मनाने की परंपरा के बारे में बताया। छात्र.छात्राओं ने आज भी सुंदर मुंदरिये होए, तेरा की विचारा होए, दुल्ला भट्टी वाला होए, दुल्ले दी धी विआई हो, सेर शकर पाई हो गीत गाकर पुरानी परम्पराओं को फिर से जीवित किया। इस अवसर पर डॉ.संगीता गुप्ता, प्रो.अन्नू आहूजा, डॉ.संतोष कुमारी, डॉ.राकेश गर्ग, डॉ.दीपा वर्मा, डॉ.दीपिका अरोड़ा मदान, डॉ. मुकेश पुनिया, डॉ.एसके वर्मा, डॉ.राकेश गर्ग, प्रो.पवन कुमार, प्रो.जुगमती, प्रो.किरण मलिक, प्रो.कविता, दीपक मित्तल, चिराग सिंगला आदि ने जम कर डांस किया।

बच्चों के साथ मनाई लोहड़ी

पानीपत। आसरा फाउंडेशन ने माता सीता रानी सेवा संस्था द्वारा संचालित निर्मला देशपांडे संस्थान स्थित हाली अपना स्कूल सेक्टर 25 में लोहड़ी और मकर संक्रांति का त्योहार मनाया। बच्चों के लिए बोनफायर का आयोजन किया गया और सभी ने लोहड़ी मनाते हुए इस कड़ाके की ठंड में आग सेकी। सभी बच्चों ने आसरा टीम के मेंबर्स के साथ खूब नाचा गाया और मस्ती की।

आईबी कॉलेज में त्यौहार मनाया

पानीपत। आईबी कॉलेज में लोहड़ी के त्यौहार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ एलएन मिगलानी, महासचिव, गवनिंर्ग बॉडी, मैनेजमेंट मेंबर रमेश नागपाल, रवि गोसाई, युधिष्ठिर मिगलानी, प्राचार्य डॉ. अजय कुमार गर्ग ने लोहड़ी की अग्नि को प्रज्वलित करके प्रारंभ करते हुए कहा कि लोहड़ी में रबी की फसलें कट कर घरों में आती हैं और उसका जश्न मनाया जाता है।

पानीपत। पाइट में लोहड़ी पर्व पर रस्साकसी करते हुए टीचर्स व विद्यार्थीगण। फोटो :हरिभूमि

धूमधाम से मनाया गया लोहड़ी पर्व

पानीपत। पाइट कॉलेज में लोहड़ी उत्सव धूमधाम से मनाया गया। छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों के बीच प्रतिस्पर्धाएं भी कराई गईं। वाइस चेयरमैन राकेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, निदेशक डॉ.जेएस सैनी ने सबसे पहले अग्नि प्रज्वलित कर लोहड़ी उत्सव का शुभारंभ किया। इसके बाद ढोल और डीजे पर होस्टल के छात्र-छात्राएं जमकर नाचे। राकेश तायल ने कहा कि भारतीय त्योहार हमें भाईचारे से रहना सिखाते हैं। लोहड़ी पर्व के माध्यम से पता चलता है कि यह फसल काटने का समय है। किसानों की खुशहाली का प्रतीक है पर्व। साथ ही, सर्दियों की समाप्ति एवं सूर्य भगवान की पूजा का भी प्रतीक है लोहड़ी पर्व। लोहड़ी पर्व पर हुई प्रतियोगिताओं में सभी ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। इस अवसर पर डॉ.विनय खत्री, डॉ.एससी गुप्ता, डॉ.रोहित गर्ग, डॉ.शक्ति अरोड़ा, डॉ.गौरव मौजूद रहे।

जनता की सच्ची हितैषी है भाजपा सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

- यात्रा का ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया व विकसित भारत बनाने के संकल्प की शपथ ली

भारत को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प को लेकर विकसित भारत संकल्प यात्रा शनिवार को गांव कुराड और जलालपुर-2 में पहुंची। यात्रा का ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया और विकसित भारत बनाने के संकल्प की शपथ ली। गांव कुराड में भाजपा नेता राजकुमार कालीरमन ने बतौर मुख्य वक्ता अपना संबोधन देते हुए कहा कि मोदी-मनोहर सरकार अंत्योदय के सपने को साकार करने के लिए निरंतर प्रयासरत है और यह यात्रा इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी। एक ही स्थान पर ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के प्रयासों से व्यवस्था परिवर्तन का दौर चला है उसी का परिणाम है कि समाज के अंतिम व्यक्ति को घर बैठे सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

अवनीत स्वच्छता व सुमित दीवार लेखन संयोजक बने

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। भाजपा जिलाध्यक्ष दुष्यंत भट्ट।

पूरा देश राम मय है पानीपत भाजपा भी पीछे नहीं है। उसने भी राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा सप्ताह में कई तरह के कार्यक्रम आयोजित कर रही है। आज जिला भाजपा अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट ने 15 से 22 जनवरी तक चलने वाले राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह हेतु स्वच्छता अभियान के लिए निवर्तमान महापौर अवनीत कौर को संयोजक तथा समालखा नगरपालिका अध्यक्ष अशोक कुच्छल तथा सुनील परढाणा को सह संयोजक नियुक्त किया है। वहीं 15 से 22 जनवरी तक भाजपा कार्यकर्ता मंदिरों एवं गुरुद्वारों में स्वच्छता अभियान चलाएंगे। इसी प्रकार दीवार लेखन हेतु जिला मंत्री सुमित जागलान को मंत्री नियुक्त किया है। इस पूरे सप्ताह जिले भर में हर बूथ पर दीवार लेखन किया जाएगा । विदित रहे दीवार लेखन राष्टीय अध्यक्ष से लेकर बूथ अध्यक्ष करेंगे। सभी कार्य फिर एक बार मोदी सरकार के सलोगन के साथ दीवार लेखन होगा।

दुकानों का मालिकाना हक दिलवाले की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। असंल के दुकानदार विधायक महिपाल ढांडा को ज्ञापन सौंपते हुए।

गैलेक्सी कोर्ट मार्केट सोसायटी के पदाधिकारियों ने दुकान दुकानों का मालिकाना हक पाने के लिए विधायक महिपाल ढांडा को सोसाइटी के प्रधान राज कालड़ा के नेतृत्व में ज्ञापन सौंप कर दुकानों का मालिकाना हक दिलवाले की मांग की। राज कालडा ने बताया कि गैलेक्सी कोर्ट के सभी दुकानदारों ने अंसल एपीआई मालिकों को सभी दुकानों की पूरी पेमेंट कर दी गई और उनके द्वारा दुकानों को एनओसी भी दे दी गई, लेकिन अंसल मालिकों द्वारा डीटीपी विभाग से कंप्लीशन नहीं लिया गया जिसकी जानकारी दुकानदारों को भी नहीं थी अब जब जिला योजनाकार द्वारा दुकानदारों को नोटिस दिए गए तब मालूम हुआ कि दुकानदारों के साथ बहुत बड़ा धोखा हुआ है उसके बाद से ही सभी दुकानदार एकजुट होकर कंप्लीशन पर आने वाले खर्च को भरने को तैयार हैं। विधायक महिपाल ढांडा ने विश्वास दिलवाते हुए कहा कि वह उनकी समस्याओं को गंभीरता से मुख्यमंत्री के सामने उठाएंगे और उनसे समय लेकर आप लोगों को साथ ले जाकर इसका हल निकलवाने का पूरा प्रयास करेंगे।

अपने अंदर मानवता को प्रबल करें हर नागरिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। दिव्यांगों को ट्राई साइकिल व अन्य सामान भेंट करते अतिथिगण व सैनी सेवा ट्रस्ट के सदस्य । फोटो :हरिभूमि

पानीपत के देहरा गांव में मानव सेवा भाव की मंशा से बनाए गए सैनी सेवा ट्रस्ट के कार्यालय का उद्घाटन किया गया। कार्यालय उद्घाटन के मौके पर जहां हवन यज्ञ का आयोजन किया गया वहीं ट्रस्ट की ओर 80 बुजुर्गों को डोगे, 100 को मुफरल, 50 जोड़ी दस्ताने,70 को कंबल, 105 को हॉट बैग, 20 जैकेट, 20 जोड़ी जूते और 20 महिलाओं को गर्म शाल वितरित किए गए। वहीं प्रमुख अतिथि के रूप में पहुंचे विजय कुमार सैनी ने ट्रस्ट के कार्यों की सराहन करते हुए कहा कि जन सेवा सब धर्म का मूल है और मौजूदा दौर में हम सभी को इंसानियत की राह पर चलने की ज्यादा जरूरत है। विजय कुमार सैनी के अलावा इस समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे सतबीर कोच, गोपाल किशन, जोगिंद्र आर्य, मुकेश बागड़ी,संदीप खत्री, प्रवीण तोंदवाल, रूपिनदर, प्रदीप कुमार व संजय शर्मा ने भी ट्रस्ट के कार्यों की प्रशंसा और उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। वहीं ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य करण सिंह सैनी ने बताया कि सरकार की मदद के बगैर ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे जन सेवा के ये कार्य हम सभी के आपसी सहयोग का नमूना है।

नई शिक्षा नीति पर कार्यशाला

पानीपत। एमएएसडी पब्लिक स्कूल में अध्यापकों के लिए नई शिक्षा नीति पर आधारित एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में शिक्षा क्षेत्र में अनुभवी निहारिका शर्मा द्वारा नई शिक्षा नीति के तहत केंद्र बिंदुओं को लेकर चर्चा की गई। निहारिका शर्मा ने अध्यापकों एवं अध्यापिकाओं के साथ सक्रिय भूमिका निभाते हुए अनेक गतिविधियों के माध्यम से अध्यापकों को अपने छात्रों को पढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

भाजपा ने दिया जनता को सुशासन : ढांडा

पानीपत। विकसित भारत संकल्प यात्रा शनिवार को जिला के गांव महमदपुर व बाबरपुर में पहुंची जहां ग्रामीणों ने गर्म जोशी से उसका स्वागत किया। इसी कड़ी में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में पानीपत ग्रामीण से विधायक महिपाल ढांडा ने बतौर मुख्य अतिथि शामिल होकर लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार अंतिम और गरीब व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए ऐतिहासिक फैसले ले रही है। कार्यक्रम में विधायक ने लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना व प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना का लाभ किस तरह ले सकते हैं के बारे में विस्तार से जानकारी दी है।

कला टीचर्स ने कार्यकारिणी बनाई

पानीपत। पानीपत जिले में कार्यरत एवं सेवानिवृत्त कला अध्यापकों ने स्काईलार्क में मीटिंग की। वहीं बैठक में कला शिक्षक सुरेंद्र राठी को जिला प्रधान, राजेश सांगवान को उपप्रधान, रामबीर सिंह को खजांची, वेद प्रकाश को सचिव नियुक्त किया गया। महिला विंग की जिला प्रधान रूबिला राठी, सचिव मोनिका चहल, राजकुमारी को खजांची नियुक्त किया। इस अवसर पर जिला संरक्षक ललित कला प्राध्यापक प्रदीप मलिक, सुरेंद्र कुमार बल्हारा, संदीप कुमार, संतोष मान, प्यारे लाल, संदीप कुमार, राम कुंवार, कमलेश, मोनिका चहल, राजेंद्र सिंह, रत्तन सिंह, बाबू राम आदि मौजूद रहे।

रैली का न्यौता दिया

पानीपत। आगामी 28 जनवरी को जींद में होनी वाली दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल की बदलाव जनसभा के लिए आप के प्रदेश सह सचिव सुखबीर मलिक ने पानीपत ग्रामीण विधानसभा के गांव जाटल में ग्रामीणों को न्यौता दिया।

भारतीय संस्कृति दुनिया में सबसे श्रेष्ठ है : राधाकृष्ण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

आर्य स्कूल के विजेता विद्यार्थी अतिथियों के साथ। फोटो :हरिभूमि

आर्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पानीपत के परिसर में स्वामी दयानन्द सरस्वती की 200वीं जन्म जयन्ती के उपलक्ष्य में भारतीय त्योहार लोहडी.व मकर सक्रांति के अवसर पर व्यायाम को बढ़ावा देने के लिए भारतीय दंड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के प्रधान सेठ राधाकृष्ण आर्य रहे तथा विशिष्ट अतिथि आर्य बाल भारती के प्रधान आर्य रणदीप सिंह कादियान रहे। जबकि अति विशिष्ट अतिथि आर्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रबंधक रामपाल जागलान, कोषाध्यक्ष राजेंद्र जागलान, सुरेंद्र नरवाल तथा राजेश घनगस रहे। प्राचार्य मनीष घनगस ने विद्यालय प्रांगण में पहुंचने पर सभी अतिथि गणों का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन किया। इस समारोह की अध्यक्षता प्राचार्य मनीष घनगस ने की। समारोह का शुभारंभ दैनिक हवन से प्रारंभ हुआ तथा शांति पाठ से समारोह का समापन हुआ। प्रतियोगिता में विनीत ने 401, अभिनव ने 399, विजय ने 347, प्रांजल ने 330, कुश व अर्पित ने 320 ने दंड लगाई। जबकि 10 छात्रों ने 15 मिनट में 300 से अधिक दंड लगाई तथा 12 छात्रों ने 250 से अधिक दंड लगाकर अपनी प्रतिभा दिखाई। मुख्य अतिथि सेठ राधाकृष्ण आर्य तथा समस्त विशिष्ट सदस्यों ने इन छात्रों ने प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सेठ राधाकृष्ण आर्य ने कहा कि भारतीय संस्कृति दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है। वहीं शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए व्यायाम बहुत जरूरी है। लेकिन ऐसे बहुत से व्यायाम हैं जिन्हे हम समय के साथ- साथ भूलते जा रहे हैं। इन्ही पुराने और प्रभावी व्यायामों में से एक है दण्ड बैठक।

खबर संक्षेप

राजकीय कन्या प्राथमिक पाठशाला से सामान चोरी

बराड़ा। राजकीय कन्या प्राथमिक पाठशाला बाजीगर बस्ती से अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। स्कूल मुखिया ने पुलिस को बताया कि उनके स्कूल से दो बडे पतीले सिल्वर , एक बडा पतीला पीतल , दो बाल्टी सिल्वर , एक लोहे की कडाही , एक गैस सिलेंडर, एक प्रेशर कुकर, एक स्टील की बाल्टी चोरी हुई है।

सड़क दुर्घटना में मौत का मामला दर्ज

बराड़ा। सडक़ दुर्घटना में गांव थंबड़ के भीम सिंह की मौत हो गई थी। गांव गौतम सिंह ने बताया कि उसके पिता भीम सिंह बीती 11 को घर से ये कहकर निकले थे कि वह पहले खेतों में फिर बराड़ा जाएगा। शाम को लगभग 7:30 बजे उसके पास दोस्त कर्म सिंह का फोन आया कि उसके पिता भीम सिंह की हादसे में मौत हो गई है।

धोखाधड़ी के मामले में आरोपित गिरफ्तार

अंबाला। धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को काबू किया है। इसके बाद उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया। थाना बलदेव नगर में दर्ज धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने आरोपी नरेंद्र शर्मा उर्फ अमित कुमार से पूछताछ की। अनाजमंडी के रहने वाले विक्रम पाल ने 2 सितंबर 2023 को शिकायत दर्ज करवाई थी।

शादी का लालच देकर दुष्कर्म का आरोप

अंबाला। रोहतक पीजीआई में भाई के दिल का उपचार करवाने गई एक युवती को झज्जर के युवक ने अपने जाल में फंसा लिया। युवक ने पहले युवती से हमदर्दी जताई। फिर उससे दुष्कर्म किया। इसके बाद जेल जाने के डर से युवक ने युवती से शादी रचा दी। अब उसे धक्के देकर घर से निकाल दिया। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

रागगीरी के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन

कुरुक्षेत्र। रागगीरी संस्था के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन आज विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान में किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. रामेंद्र सिंह ने कैलेंडर का विमोचन किया। इस वर्ष कैलेंडर में भारत रत्न से सम्मानित 6 कलाकारों को विषय बनाया गया है। इसमें एमएस सुब्बुलक्ष्मी, पंडित रविशंकर को शामिल किया है।

नायब सैनी की टीम में सबसे युवा जिला अध्यक्ष ने प्रदेशाध्यक्ष से लिया आशीर्वाद

गांव-गांव घर-घर जाकर सरकार की नीतियों की जानकारी दें : प्रदेशाध्यक्ष

अंबाला लोकसभा समेत चारों विधानसभा में फिर खिलेगा कमल, राणा को प्रदेशाध्यक्ष ने दिया आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारायणगढ़

नारायणगढ़। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष मनदीप राणा को मिठाई खिलाकर आशीर्वाद देते प्रदेशाध्यक्ष नायब सिंह सैनी।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष नायब सैनी की टीम के सबसे युवा जिला अध्यक्ष मनदीप राणा ने शनिवार को प्रदेशाध्यक्ष से मुलाकात की। गांव मर्जिपुर माजरा में पहुंचकर राणा ने उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान जिला अध्यक्ष मनदीप राणा के साथ अंबाला शहर के विधायक असीम गोयल और भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदेशाध्यक्ष नायब सैनी के गांव मर्जिपुर पहुंचे मनदीप राणा, विधायक असीम गोयल का ढोल की थाप पर नाचते हुए अभिनंदन किया। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष ने सबसे पहले प्रदेशाध्यक्ष नायब सैनी के चरण स्पर्श उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान मनदीप राणा ने प्रदेशाध्यक्ष नायब सैनी को पगड़ी पहनाकर व तलवार भेंट कर संगठन में जिला अंबाला की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपने के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यकर्ताओं ने अध्यक्ष मनदीप राणा को भी पगड़ी पहनाकर उनका भी स्वागत किया। उन्होंने कहा कि युवा जिस जोश, जुनून और मेहनत के साथ भारतीय जनता पार्टी में कार्य कर रहे हैं। उस मेहनत का फल उन्हें जरूर मिलना चाहिए। सैनी ने कहा कि मनदीप राणा ऐसी मजबूती के साथ काम करेंगे जिससे अंबाला लोकसभा में और अंबाला की चारों विधानसभाओं में कमल खिलेगा। इसी मजबूती के साथ सभी कार्यकर्ता भी काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मनदीप राणा सभी कार्यकर्ताओं को एक साथ लेकर आगे बढऩे का कार्य करेंगे। उन्होंने जिला प्रधान मनदीप राणा को नव दायत्वि व लोहड़ी पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आने वाले लोकसभा तथा विधानसभा चुनाव में तीसरी बार भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने के लिए पूरी तत्परता और सक्रियता से सभी कार्यकर्ता जुट जाएं और गांव-गांव घर-घर भाजपा की नीतियों व सरकार के कार्यों की जानकारी दें जिससे की पात्र लोग उनका लाभ उठा सके। संजीव गोयल टोनी, सुंदर ढींगरा, पूर्व मेयर रमेश मल, मंडल प्रधान रणदीप सिंह बांका सैनी, जसवद्रिं सिंह बख्तुआ, प्रवीन धीमान, नायब सिंह सैनी रज्जूमाजरा, राजू मक्कड़, अशोक साहनी, गुरवद्रिं सिंह मानकपुर, दिनेश लदाणा, मनीष आनंद मन्नी, अनुभव अग्रवाल, गुरजंट सिंह, अनिल गुप्ता, सुरेंद्र राणा बडी बस्सी के साथ-साथ अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अपने वादों को निभाए प्रदेश सरकार: अरोड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

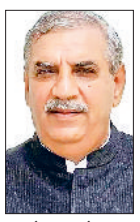

अशोक अरोड़ा।

पटवारी एवं कानूनगो संगठन द्वारा जारी धरना-प्रदर्शन को लेकर पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक अरोड़ा ने कहा कि सरकार ने इनके साथ धोखा किया है। पिछली बार सरकार ने इनकी मांगे मानने का आश्वासन दिया था। लेकिन उस पर अमल नहीं किया। इसी वजह से पटवारी और कानूनगो 3 जनवरी से धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके चलते सरकारी कामकाज बाधित हो रहे हैं और जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए जरूरी है कि सरकार कर्मचारियों से किए वादे को निभाए और इनकी मांगों को पूरा करे। अशोक अरोड़ा ने बयान जारी कर कहा कि है ये सरकार कर्मचारी, जवान और किसान समेत हर वर्ग की दुश्मन बनी हुई है। किसानों के साथ एक बार फिर धोखा करते यूरिया बैग के वजन को घटाकर 45 से 40 किलो कर दिया गया है। जबकि किसान को इसके लिए पहले जितनी कीमत ही चुकानी पड़ेगी। इससे पहले 50 किलो के बैग का वजन घटकर 45 किलो किया गया था।

डीएवी कॉलेज में मनाया लोहड़ी पर्व

पिहोवा। डीएवी कॉलेज में पंजाबी विभाग की ओर से लोहड़ी एवं मकर संक्रांति के मौके पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम करवाए गए। पंजाबी विभाग की अध्यक्षा डॉ. गुरप्रीत कौर ने बताया कि कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि हिस्सा लेकर कार्यवाहक प्रिंसिपल प्रो. गुरिंदर मक्कड़ ने भी प्रज्वलित किया। नॉन टीचिंग स्टाफ की ओर से अनिल कुमार ने शब्द गायन से सभी को मोह लिया। डॉ. गुरप्रीत कौर ने कहा कि लोहड़ी की प्राचीनता व दुल्ला भट्टी की लोक कथा इस पर्व को विशेष पहचान दिलाती है। छात्राओं ने सुंदर मुंदरिए तेरा कौण विचारा, दुल्ला भट्टी वाला लोक गीत पर नृत्य, संगीत, नाटक कला आदि के जरिए सभी का मनोरंजन किया। छात्राओं ने गिद्धा एवं हरियाणवी लोक नृत्य की प्रस्तुति दी। डॉ. अश्वनी कुमार ने भी अपनी गजलों से समां बांध दिया।इस मौके पर डॉ. सुनीता, डॉ. प्रवीण, डॉ. निशा, प्रो. मनोज, डॉ. कमलप्रीत, डॉ. ज्योति,अनु, प्रो. दीप किरण, डॉ. निशा, सुनील, रामफल, हरि राम, अमन, शालू व संतोष आदि मौजूद रहे।

लोहड़ी पर्व पर छात्राओं ने जमकर मचाया धमाल, कार्यक्रमों में झूमे सहयोगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

लॉर्ड कृष्णा शिक्षण महाविद्यालय अधोया में आज लोहड़ी उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि प्रबंधन समिति के चेयरमैन राजकुमार सांगवान व सचिव रमेश कुमार सांगवान रहे। मुख्यातिथियों का स्वागत कॉलेज प्राचार्या डॉ. रेनू सोहता व उपस्तिथ शिक्षण स्टाफ ने पुष्प देकर किया। कार्यक्रम का आरंभ महाविद्यालय के चेयरमैन राजकुमार सांगवान व अन्य अतिथिगणों द्वारा अग्नि प्रज्वलन करके किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंच का संचालन बीएड की छात्राओं रचना व साक्षी ने किया। कार्यक्रम में आये हुए छात्रों को चेयरमैन राजकुमार सांगवान ने लोहड़ी पर्व की शुभकामनाएं दी। उन्होंने यह संदेश दिया कि 'लोहड़ी की अग्नि' में आपके जीवन की हर बुराई जलकर भस्म हो जाए। इस अवसर पर सचिव रमेश सांगवान ने विद्यार्थियों से कहा कि 'लोहड़ी के दिन' अपने आसपास के लोगों को खुश रखें और अतीत की बुरी यादों को इस दिन खुद से अलग करें। मुख्यातिथि, कॉलेज शिक्षण स्टाफ, गैर शिक्षण स्टाफ व कॉलेज के विद्यार्थियों को लोहड़ी पर्व की बधाई दी।

सुख समृद्धि की कामना के साथ उड़ाए पतंग

- अलियासपुर में स्थित शिवालिक गुरुकुल में मनाई लोहड़ी और मकर सक्रांति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

बराड़ा। उत्सव में भाग लेते आयोजक एवं छात्र। फोटो : हरिभूमि

गांव अलियासपुर में स्थित शिवालिक गुरुकुल के परिसर में शनिवार को लोहड़ी एवं मकर संक्रांति का उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र की शांति एवं सुख समृद्धि की कामना के साथ पतंग कला विषय पर एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्रों द्वारा पतंग बनाकर अपनी विलक्षण प्रतिभा का परिचय दिया गया तथा पतंग के उड़ने व उड़ाने के वैज्ञानिक सिद्धांतों पर चर्चा की गई। संस्थान अध्यक्ष रविंद्र आर्य ने लोहड़ी एवं संक्रांति उत्सव के विषय में विभिन्न प्रचलित किवदंतियों व लोक कथाओं की व्याख्या कर इसके धार्मिक ,सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक महत्व पर प्रकाश डाला ।उन्होंने बताया कि संस्थान द्वारा समय-समय पर छात्रों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास पर केंद्रित कार्यक्रमों का आयोजन कर वैज्ञानिक एवं तकनीकी शिक्षा के साथ संस्कारित करने का काम किया जाता है।

इस मौके पर प्रधानाध्यापक विकास दीप ,आचार्य कृष्ण देव ,अशोक, मुख्य संरक्षक रामपाल रजनी देवी, रविंद्र भरत, पदम कुमार, राजेंद्र कुमार, सुमित त्यागी शिक्षक सहित गुरु पर परिवार के अन्य सदस्य में भारी संख्या में ब्रह्मचारी उपस्थित रहे।

लाडवा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाडवा में लोहड़ी का पर्व मनाते वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कृष्णकांत व स्टाफ।

लोहड़ी सामाजिक-सांस्कृतिक पर्व : कृष्णकांत

लाडवा। लोहड़ी पर्व के उपलक्ष में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाडवा में लोहड़ी पर्व मनाया गया। इसमें वरिष्ठ चिकित्सा अधकारी डॉक्टर कृष्णकांत ने सभी चिकित्सा अधिकारी, कंसल्टेंट्स, नर्सिंग ऑफिसर्स, फार्मेसी ऑफिसर, कम्युनिटी हेल्थ ऑफीसर, एमपीएचडब्ल्यू मेल व फीमेल तथा अन्य स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारी शामिल हुए। लोहड़ी का त्योहार मुख्य रूप से सिखों और हिंदुओं द्वारा मनाया जाने वाला शीतकालीन संक्रांति के अंत और रबि फसलों की कटाई का प्रतीक त्यौहार है। यह त्योहार हर साल 13 जनवरी को पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाता है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

- शुगर मिल को सरकार द्वारा अधग्रिहण करने की मांग की जिससे किसानों को गन्ने की पेमेंट सुचारू रूप से मिलती रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारायणगढ़

नारायणगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी को ज्ञापन सौंपते।

किसान मजदूर संगठन (पूरन) के प्रदेश अध्यक्ष नरपत राणा व अन्य पदाधिकारियों ने हरियाणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद नायब सैनी से मुलाकात कर उनको प्रदेश अध्यक्ष बनने व लोहड़ी की बधाई दी । इसके साथ ही उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष को किसानों की समस्याओं से भी एक मांगपत्र सौंपा। इसमें उन्होंने शुगर मिल को सरकार द्वारा अधग्रिहण करने की मांग की जिससे किसानों को गन्ने की पेमेंट सुचारू रूप से मिलती रहे। उन्होंने गांव महमूदपुर से गांव गोली तक की सड़क बनाने की मांग की। ज्ञापन में गांव सौंतली से शहजादपुर तक की सड़क को पक्का करना तथा शहजादपुर हाईवे के पास पुल के पास सड़क में बड़े गड्ढों को ठीक करने के साथ बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने की भी मांग की गई।

युवाओं को नौकरी से वंचित करना चाहती है सरकार: विधायक

बराड़ा। कांग्रेस विधायक वरुण मुलाना ने एचपीएससी द्वारा सहायक पर्यावरण अभियंता भर्ती को लेकर जारी किए गए सिलेबस पर टिप्पणी करते कहा कि बीजेपी-जेजेपी सरकार हरियाणवी युवाओं को नौकरियों से पूरी तरह वंचित करना चाहती है। जानबूझकर सरकारी भर्तियों के लिए ऐसे नियम बनाए जा रहे हैं जिसका अन्य राज्य के युवाओं को लाभ हो सके। उन्होंने कहा कि एचपीएससी द्वारा सिलेबस से हरियाणा जीके को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। एचएसएससी और एचपीएससी की भर्तियों में लगातार गैर-हरियाणवियों को तरजीह देने के लिए यहीं नीति अपनाई जा रही है। एसडीओ, बीडीपीओ, लेक्चरर से लेकर सहायक पर्यावरण अभियंता तक हर भर्ती में हरियाणवियों के साथ इसी तरह की साजिश हो रही है। मुलाना ने कहा कि अब एचपीएससी ने एसीएस परीक्षा के लिए भी उन अभ्यार्थियों को अप्लाई करने की छूट दे दी है जिनके पास हरियाणा डोमिसाइल नहीं है।

वृद्धाश्रम के लोगों के साथ छात्राओं ने मनाई लोहड़ी

बराड़ा। संत मोहन सिंह खालसा लबाना गल्र्स कॉलेज में चल रही एनएसएस कैंप की शुरूआत गीत से हुई। कॉलेज प्राचार्या डॉ. इंदु विज ने स्वयंसेविकाओं को उनकी समाजिक,परिवारिक जिम्मेदारी व नैतिक शिक्षा के प्रति प्रेरित किया। इसी के साथ उन्हें कुरुक्षेत्र प्रेरणा वृद्धा आश्रम का भ्रमण करवाया गया। यहां छात्राओं ने वृद्ध लोगों से मुलाकात की। इस दौरान छात्राओं ने वृद्धों के साथ लोहड़ी का पर्व मनाया। इसी के साथ कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के एनएसएस कोऑर्डिनेटर डॉ. आनंद कुमार से छात्राओं से मुलाक़ात की।

गांव अधोया में काटे पेड़ बीडीपीओ ने लिए कस्टडी में, कटाई का काम रोका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

गांव अधोया (मुस्लिम) की पंचायती जमीन से पेड़ काटने की कार्रवाई रुक गई। डीसी के हस्तक्षेप से यह कार्रवाई हुई। इसके साथ-साथ जो पेड़ जमीन से काटे गए थे। वह सभी पेड़ बीडीपीओ की कस्टडी में हैं। बकायदा वन विभाग द्वारा इन पेड़ों का मूल्यांकन किया जा रहा है। इस मामले में नियमानुसार इस मामले में कार्रवाई की जा रही है। जिसकी भी इस मामले में संलिप्तता पाई जाती है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि इस मामले को लेकर गांव की पंचायत सरपंच के साथ उपायुक्त से मिली थी।

उपायुक्त डॉ. शालीन ने बताया कि इस मामले में एसडीएम ने एसआईटी बनाई हुई है। मामले में मालिकाना हक जांचने के लिए एसडीएम द्वारा बनाई गई एसआईटी ने अपनी गोपनीय रिपोर्ट एसडीएम को सौंप दी है। उपायुक्त ने यह भी कहा कि सुप्रीमकोर्ट के जय सिंह वर्सिस हरियाणा स्टेट पार्टी के केस अनुसार जजमेंट आ चुकी है कि जुमला हसब मुश्तरका मालिकाना के तहत ऐसी जमीन पंचायत की होती है। उस पर पंचायत का मालिकाना हक होता है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो वह निम्न टेलीफोन नम्बरों पर कार्यालय समय पर सूचित करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 8295154800, 9253681005

मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में सरकार ने पॉलिसी तैयार की

गोसेवा आयोग का बजट बढ़ाकर 400 करोड़: राज्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

राज्य मंत्री सरदार संदीप सिंह ने कहा कि सड़कों से बेसहारा गोवंश को हटाकर गौशालाओं में शिफ्ट करने के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में सरकार ने पॉलिसी तैयार की है। जिसके तहत गौशाला संचालन समितियों के सहयोग से इस वर्ष इन पशुओं को गौशालाओं में शरण दी जाएगी। गोवंश के रखरखाव के लिए गौ सेवा आयोग को मिलने वाले 40 करोड़ रुपए के बजट में बढ़ोतरी करके इसे 400 करोड़ रुपए से अधिक का कर दिया गया है। इसके अलावा 31 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि सरकार ने गौशाला आयोग को दी है। श्रीकृष्ण कृपा गौशाला समिति की ओर से जगदीश तनेजा ने बताया कि बेसहारा पशुओं को सडकों से हटाकर शरण देने के लिए सरकार एवं सामाजिक संस्थाओं को मिलजुल काम करना होगा। कार्यक्रम में श्रीकृष्ण कृपा गौशाला को 11 लाख 63 हजार 250, औघड दानी महादेव गौशाला को 93750, हर हर महादेव रुग्ण गौशाला को 81 हजार, दत गौरख गऊ समिति थाना को 448500 व गौ सेवा समिति इस्माईलाबाद को 5 लाख 19 हजार रुपए की राशि के चैक राज्य मंत्री संदीप द्वारा दिए गए। लगभग 23 लाख पांच हजार रुपए से अधिक की राशि गौशालाओं तक पहुंचाई गई। इस अवसर पर जगदीश तनेजा, नरेश शर्मा, सोनू गोयल, प्रेमपाल पुरी, सुरेंद्र शर्मा, नगर पालिका प्रधान आशीष चक्रपाणी, मंडल प्रधान राकेश पुरोहित, सुरेंद्र ढींगरा, अनिल, पराग धवन, गुरप्रीत कंबोज, तेजिंद्र स्याहपोश व अजय कोरियोग्राफर सहित कई लोग मौजूद रहे।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रविवार 14 जनवरी 2024

मकर संक्रांति विशेष

मकर संक्रांति पर्व की धार्मिक ही नहीं अत्यधिक सांस्कृतिक महत्ता भी है। यह पर्व ऋतुचक्र में होने वाले परिवर्तन और सूर्य की गति में बदलाव को भी प्रकट करता है। यह पर्व देश के अलग-अलग भागों में विभिन्न रूपों और नामों से मनाया जाता है। लेकिन इसे मनाने की मूल भावना में निहित सामाजिक समरसता, इसकी खूबसूरती को और बढ़ा देता है।

धार्मिक आस्था-सांस्कृतिक उल्लास का पवित्र पर्व मकर संक्रांति

{ आवरण कथा / आर.सी.शर्मा }

पूर्व से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण तक नाम भले अलग-अलग हों, लेकिन मकर संक्रांति का धार्मिक-सांस्कृतिक पर्व, पूरे भारत में मनाया जाता है। देश के अलग-अलग हिस्सों में इसे अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। जैसे- उत्तर भारत के ज्यादातर हिस्सों में इसे मकर संक्रांति कहते हैं, तो पंजाब में लोहड़ी, गुजरात में उत्तरायण, उत्तराखंड में उत्तरायणी, केरल में पोंगल, असम में माघ बीहू और भोगाली बीहू, बिहार-उत्तर प्रदेश में खिचड़ी, बंगाल में दान पूर्व और तमिलनाडु में पोंगल के नाम से इसे मनाते हैं। चाहे पर्व के नाम अलग-अलग हों और इनके मनाने के तौर तरीके भी थोड़े अलग-अलग हों। लेकिन अपनी मूल प्रकृति और मूल आस्था में ये सारे पर्व एक ही होते हैं। नई फसल तैयार होने की खुशी में नाचना-गाना, सूर्य के उत्तरायण होने से उसके बढ़ते जीवनदायी ताप के प्रति आभार-सम्मान प्रकट करना और पवित्र नदियों में स्नान करने जैसी तमाम तरह की गतिविधियां, इन सभी पर्वों के मूल विधान में शामिल हैं।

केरल में पोंगल पर्व मनाते स्थानीय निवासी

पर्व मनाने की शुभ तिथि

मकर संक्रांति आमतौर पर अंग्रेजी कैलेंडर के जनवरी माह में 14 या 15 जनवरी को मनाई जाती है। मकर संक्रांति की तिथि से सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है, इसलिए यह मकर संक्रांति कहलाती है। इस दिन से सूर्य उत्तरायण हो जाते हैं, जिसे शास्त्रों के मुताबिक देवताओं का दिन माना जाता है, जबकि दक्षिणायन को देवताओं की निशा यानी रात्रि माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस दिन किया गया दान, साल के बाकी किसी भी दिन में किए गए दान के मुकाबले कहीं ज्यादा पुण्य लाभ देने वाला होता है। इस साल मकर संक्रांति की तिथि आज रात के बाद यानी 15 जनवरी को ब्रह्म मुहूर्त से पहले 2 बजकर 54 मिनट से आरंभ होगी, जब सूर्यदेव धनु राशि से निकल कर मकर राशि में प्रवेश करेंगे।

महत्वपूर्ण-पुण्यकारी धार्मिक कार्य

मकर संक्रांति के दिन सुबह उठकर सूर्य के निकलने से पहले या निकलते समय पवित्र नदियों में स्नान करना सबसे अच्छा माना जाता है। इसके बाद नए साफ वस्त्र पहनकर तांबे के लोटे में पानी भरकर उसमें काला तिल, गुड़ का छोटा टुकड़ा और अगर गंगा में नहीं नहा रहे तो थोड़ा गंगाजल मिलाकर सूर्यदेव को प्रणाम करते हुए उन्हें अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद गरीबों को दान दिया जाता है, इस दान में तिल और खिचड़ी का होना बहुत शुभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक मकर संक्रांति की सुबह घर में स्नान करें तो पानी में तिल और गंगाजल अवश्य मिला लें। किसी पवित्र नदी में स्नान कर रहे हों तो जिस जगह स्नान करें, वहां थोड़े तिल और गंगाजल छिड़क देना चाहिए। इस दिन सूर्यदेव शनि की राशि मकर में प्रवेश करते हैं, इसलिए मकर संक्रांति को शनि देव की पूजा भी करनी चाहिए।

कहीं नृत्य तो कहीं पतंगबाजी

मकर संक्रांति देश के अलग-अलग हिस्सों में खूब मस्ती और उमंग के साथ मनाई जाती है। कहीं पर लोग ढोल की थाप पर

असम में माघ बीहू के अवसर पर सामूहिक नृत्य करतीं महिलाएं

नाचते-गाते हैं। जैसे पंजाब में भागड़ा और गिद्धा लोकनृत्य किया जाता है। इसी तरह असम में लोग बिहू लोकनृत्य में सामूहिक रूप से शामिल होते हैं। गुजरात और उत्तर भारत में इस अवसर पर बड़े पैमाने पर पतंग उत्सव का भी आयोजन किया जाता है।

पर्व का जीवन में महत्व

मकर संक्रांति पर्व का महत्व सिर्फ धार्मिक या पारंपरिक संस्कारों तक ही सीमित नहीं है। इसका सीधा-सीधा रिश्ता बदलते हुए ऋतु चक्रों से भी होता है। जिस कारण बहते हुए पानी में स्नान किए जाने की परंपरा इससे जोड़ी गई है। इसका वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य यह है कि इन तिथियों को बहते हुए पानी में ऊर्जा की अधिकता होती है और उस पानी में स्नान करने से इंसान बहुत तरह की शारीरिक व्याधियों से छुटकारा पा जाता है। साथ ही बदलते हुए मौसम के इस संधिकाल में सूर्य के ताप, पृथ्वी और जल की ऊर्जा का शरीर में इस तरह से प्रभाव पड़ता है कि हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है। इसलिए संक्रांति को सिर्फ धर्म की नहीं प्रकृति की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। *

वर्ष में होती हैं तीन संक्रांतियां

हिंदू पंचांग के अनुसार पूरे वर्ष में एक नहीं तीन संक्रांतियां मनाई जाती हैं- मकर संक्रांति, विषुवत संक्रांति और कार्तिक संक्रांति। सभी में एक जैसी श्रद्धा और एक जैसी धार्मिक भावनाएं होती हैं। विषुवत संक्रांति अप्रैल माह में पड़ती है, इस तिथि पर सूर्य मेष राशि में प्रवेश करते हैं। साथ ही इसी दिन विशाखा नक्षत्र में भी प्रवेश करते हैं, इसलिए इसे वैशाखी भी कहा जाता है। इसी तरह कार्तिक संक्रांति हिंदुओं में बहुत पवित्र मानी जाती है। कार्तिक संक्रांति में सूर्य तुला राशि में प्रवेश करते हैं। आमतौर पर यह अक्टूबर के मध्य में आती है। सभी संक्रांतियों में सूर्योदय से पहले उठकर या उग रहे सूर्य के समय स्नान का विधान होता है। साथ ही इस दिन पवित्र नदियों में भी स्नान करने का महत्व बताया गया है। *

जीवन में सुकून और खुशी तो सभी चाहते हैं लेकिन इन्हें पाने के लिए किस रास्ते पर चलने की जरूरत होती है, इस बारे में कम ही लोगों को पता होता है। वास्तव में सुकून-खुशी हासिल करना कठिन नहीं है, अगर आप सही दिशा में इसे तलाश करें।

सुकून-खुशी पाना कठिन नहीं है, अगर...

{ जीवनशैली / शिखर चंद जैन }

अगर आपको दिल्ली से कोलकाता जाना हो लेकिन आप ट्रेन या फ्लाइट चेन्नई की पकड़ लें तो कोलकाता पहुंचेंगे या चेन्नई? यह सवाल आपको अटपटा लग सकता है लेकिन व्यावहारिक जीवन में देखें तो खुशी और सुकून की तलाश में हम कुछ इसी तरह गलत राह पर चलते हुए अपनी मंजिल से भटक जाते हैं और हमें इसका एहसास ही नहीं होता है।

लिविंग स्टैंडर्ड का गलत पैमाना: बेहतरी, सफलता, समृद्धि और सुकून के वास्तविक स्वरूप को समझने में लोग अकसर चूक जाते हैं। इसमें पूरी तरह गलती आपकी नहीं है। वास्तव में हमारा माहौल, संगत और समाज कई मामलों में हमारा नजरिया तय करते हैं। यही वजह है कि आज स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग हाई होने यानी सफलता और खुशहाली का प्रतीक भौतिक साधनों के बहुलता को माना जा रहा है। आपके जीवन का स्तर कितना ऊंचा है, यह इस बात से तय होता है कि आप का मकान शहर के किस पॉश इलाके में है, कितना बड़ा मकान या फ्लैट है, आपकी कार कितनी महंगी है, आपके यहां कितने नौकर-चाकर काम करते हैं, आपका बैंक बैलेंस कितना बड़ा है, आपका मोबाइल किस ब्रांड का है, आप शहर के किस रेस्तरां में डिनर या लंच के लिए जाते हैं, किस ब्रांड के कपड़े, घड़ी या जूते पहनते हैं? आप छुट्टियां बिताने के लिए विदेश जाते हैं या नहीं? इतना ही नहीं रेव पार्टीज में या महंगे क्लब्स में जाना भी स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग का प्रतीक बन गया है।

अपना नुकसान खुद करते हम: आज के दौर का यह सच बन गया है कि हममें से अधिकांश लोगों के जीवन का ज्यादातर समय इन्हीं को पा लेने की कोशिश में खप जाता है, इन्हीं में सुकून और खुशहाली की तलाश करते हुए अनजाने में ही हम परेशान, बदहाल और तनावग्रस्त रहने लगते हैं। पिछली सदी में बुजुर्ग और अब तो वैज्ञानिक भी कहते हैं कि चिंता, चिता के समान होती है। हम अपनी ही नासमझी से गलत जीवनशैली के कारण उच्च रक्तचाप, मधुमेह, स्ट्रोक, हृदय रोगों और कैंसर जैसे घातक रोगों के शिकार बेहद आसानी से हो जाते हैं। नतीजतन ना मनचाहा खा सकते हैं ना ढंग से सो पाते हैं। कहा गया है कि पहला सुख निरोगी काया। लेकिन जब माया के चक्कर में काया ही रोगी हो गई तो सुख और सुकून भला कैसे मिलेंगे?

गलत मार्ग पर मंजिल की तलाश: हममें से अधिकतर लोग समझ ही नहीं पाते कि आखिर इतने प्रयासों के बावजूद हम सुखी क्यों नहीं हो पा रहे हैं? सीधी सी बात है, जाना था जापान पहुंच गए चीन वाली कहावत हमारे साथ लागू हो गई है। हमारे प्रयास ही गलत दिशा में और गलत चीजों के लिए होते हैं। हमारा लक्ष्य कुछ और होता है और राह हम दूसरी पकड़ लेते हैं। हम अपने जीवन का स्तर ऊंचा करने की बजाय, इसे छोड़कर दूसरी भौतिक, दिखावटी और गैर जरूरी चीजों का स्तर ऊंचा करने में जुट जाते हैं। स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग को ऊंचा करना एक अंतहीन प्रयास है, जिसका कोई उच्चतम मापदंड आज तक कोई निश्चित नहीं कर पाया है। आप चाहे जितना महंगा सामान खरीदेंगे, आपसे भी महंगा किसी और के पास मिल जाएगा। उसे देखते ही आपका अहं, चूर-चूर हो जाएगा और खुशी काफूर हो जाएगी।

आंतरिक सुकून की राह: आपको जीवन का स्तर ऊंचा रखना है, सुकून, सुख और खुशहाली से रहना है तो जरूरतों और चाहतों में अंतर समझना होगा। जीवन का स्तर आंतरिक सुख से ऊंचा होगा, जो संतोष से प्राप्त होता है। कहा भी गया है, संतोषम् परम सुखम्। अध्यात्म, प्राणायाम, योग, ध्यान आदि को अपनाना होगा। परमार्थ की भावना, दयालुता, परोपकार, समाज की सेवा और मनुष्य मात्र के प्रति संवेदनशीलता हमें जीवन के उच्चतम स्तर तक पहुंचा सकती है। झूठ, छल, कपट, धोखाधड़ी, झूठ, ईर्ष्या, लालच, क्रोध जैसे दुखी करने वाले जंजालों से मुक्ति पानी होगी। जैसे किसी तालाब के पानी से काई, तृण, गंदगी और विषाणु निकालकर उसे हल्का, सुपाच्य और स्वस्थ पेय जल बनाया जा सकता है, वैसे ही जीवन से इन अवांछित तत्वों और नकारात्मक भावनाओं को निकाल दें तो जीवन स्वच्छ जल की मानिंद हल्का और सुकून देने वाला बन सकता है। इस प्रकार का जीवन जीने वाला स्वतः ही अपने समाज में चहेता, प्रशंसनीय, स्नेह का पात्र और आदरणीय बन जाता है। लोग उसका सम्मान करते हैं। लोगों से जब ऐसा आदरपूर्ण और स्नेहिल व्यवहार मिलेगा तो आपको अतुलनीय आंतरिक आनंद और सुकून मिल जाएगा। *

{ नवगीत / शिवचरण चौहान }

धूप आई, जान आई

धूप आई
जान आई!
शीत से मारे हुए
फूलों के मुख
मुस्कान आई।
आएगा ऋतुराज पक्का
जानते हैं हम सभी
पर शिशिर, हेमंत तो
सबको रुलाएगा अभी,
सभी के चेहरों में मीठी
धूप है मुस्कान लाई।।
धुंध, कोहरे से महीना
गले तक डूबा हुआ था।
और भारत इस अयाचित
बर्फ से ऊबा हुआ था।
आज चिड़ियों के
स्वरों में एक मधुरिम
तान आई।
धूप निकली है छिटक कर
जान में है जान आई।।

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

कविता में उम्मीद

हाल में युवा कवि अनुराग वत्स का पहला कविता संग्रह 'उम्मीद प्रेम का अन्न है' छपकर आया है। इसमें उनकी कई छोटी कविताओं के साथ ही आत्मकथ्य भी संकलित हैं। इस पुस्तक की कई कविताएं, प्रेमानुभूति से जुड़ी बहुत बारीक संवेदनाओं को व्यक्त करती हैं। *'बात न हो, बात की याद हो/तो वह याद ही भेज दो।'* जैसी पंक्तियां मन के भीतर ठहर सी जाती हैं। प्रेम की अनुभूति से इतर भी कुछ कविताएं, अनुराग की सूक्ष्म संवेदनात्मक दृष्टि को प्रमाणित करती हैं। इस लिहाज से 'पिता:1' कविता को देख सकते हैं, जिसमें पिता शब्द को लिखे बिना ही अनुराग, मार्मिकता से उनकी अनुपस्थिति को महसूस करते हैं। इसी तरह 'हाथ की कांप' में वह दार्शनिक लहजे में जीवन और नियति को परिभाषित करते हैं। कहा जा सकता है कि किसी वाद या वैचारिकता से मुक्त ये भावसंपन्न कविताएं, आने वाले समय में अनुराग से और बेहतर रचनाओं की उम्मीद जगाती हैं। *

पुस्तक: उम्मीद प्रेम का अन्न है (कविता संग्रह), लेखक:अनुराग वत्स, मूल्य: 150 रुपए, प्रकाशक: रुख पब्लिकेशंस, नई दिल्ली

{ कहानी / शीला श्रीवास्तव }

सविता जी को इस बात की चिंता मन ही मन में सताए हुए थी कि बेटे रवि की शादी के बाद उनका प्यार बंट जाएगा। वह पत्नी का साथ पाकर उनसे दूर हो जाएगा। इसलिए वह उसकी शादी टाल रही थीं। मां के आगाध प्रेम पर केंद्रित दिल को छूती कहानी।

अलगाव

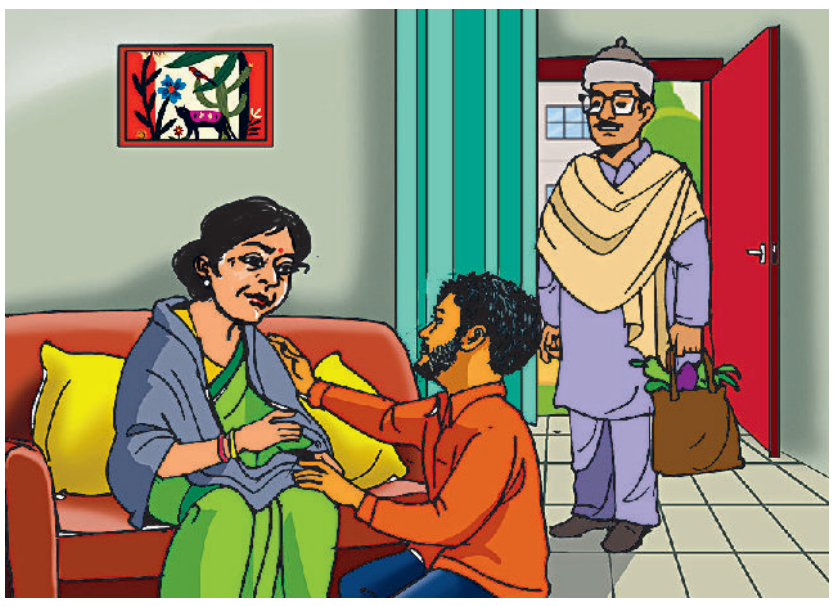

मंदिर से आकर सविता जी धम्म से सोफे पर बैठ गईं। पति जयप्रकाश जी ने धीमे स्वर में पूछा, 'क्या बात है भाग्यवान, मूड क्यों खराब है?'

'पता नहीं, लोगों को क्या पड़ी है, जो बार-बार हमारे बेटे रवि की शादी के बारे में पूछते हैं। अरे, नहीं करनी मुझे रवि की शादी। शादी के बाद वह भी हमसे अलग हो जाएगा।' सविता जी कुढ़ते हुए बोलीं।

'तुम स्वार्थी हो गई हो रवि की मां। अपने स्वार्थ के लिए तुम अपने बेटे को सदा के लिए कुंवारा रखना चाहती हो।' जयप्रकाश जी गंभीर स्वर में बोले।

'आपको जो समझना है, समझिए।' दोनों पति-पत्नी में बहस चल ही रही थी, तभी रवि आ गया। उसके आते ही दोनों ऐसे हंस-हंसकर बातें करने लगे, जैसे उनके बीच कोई हास-परिहास चल रहा हो।

दरअसल, रवि अपनी मां के मन से अनभिज्ञ अपनी एक कुलीग सुजाता से प्यार कर बैठा। एक दिन सकुचाते-सकुचाते उसने अपने दिल की बात अपनी मां से कह ही दी। सविता जी को जैसे झटका-सा लगा। वह जड़वत रह गईं। तभी रवि ने मां को झकझोरते हुए पूछा था, 'क्या सोच रही हो मां?'

'कुछ नहीं बेटा, शादी की अभी इतनी जल्दी क्या है? अभी छब्बीस की ही तो उम्र है तुम्हारी।' सविता जी अपनी भावनाओं को छुपाते हुए बोली थीं।

बस उसी दिन से रवि उदास रहने लगा। सविता जी अपने बेटे के उदासी के कारण को अच्छी तरह जानती थीं, लेकिन वह अपनी शंकाओं से मुक्त भी तो नहीं हो पा रही थीं।

एक दिन वह अपने बेटे रवि के सिर पर हाथ फेरते हुए बोलीं, 'काश! तू हमेशा बच्चा ही रहता तो कितना अच्छा होता, लेकिन अब तू बड़ा हो गया है। तुझे मां की नहीं बल्कि एक जीवन संगिनी की जरूरत है...।' लेकिन सविता जी ने वाक्य अधूरा ही छोड़ दिया। उनकी आवाज बीच में ही भर आई थी, आंखों से मोटे-मोटे आंसू टपक पड़े।

रवि अपनी मां के आंसुओं का मतलब नहीं समझ पाया, इसलिए आश्चर्य और प्रश्न भरी नजरों से मां को निहारने लगा। तभी जयप्रकाश जी ने बात संभाली, 'अरे बेटा, तुम्हारी मां डरती है कि शादी के बाद कहीं तुम्हारा प्यार बंट ना जाए।'

'ओफ्फ हो मां.. तुम भी न, कुछ भी सोचती रहती हो।' रवि हंसते हुए बोला।

रवि के ऑफिस जाने के बाद जयप्रकाश जी ने सविता जी को समझाया, 'देखो रवि की मां, हम मां-बाप को अपना फर्ज निभाना चाहिए। अब आगे चलकर बेटा-बहू हमें पूछें या ना पूछें, यह उनकी मर्जी। अपने स्वार्थ में अंधे होकर हम अपने बच्चों की खुशियों को दांव पर तो नहीं लगा सकते ना।'

जयप्रकाश जी एक पल रुक कर आगे बोले, 'अच्छा बताओ, तुम्हें ज्यादा खुशी किस बात में होगी, जब रवि कुंवारा रहकर दुखी मन से हम लोगों की सेवा करेगा या फिर अपने जीवन साथी के साथ खुशहाल जिंदगी जिएगा?'

'हां, मैं स्वार्थी हो गई थी। मेरे लिए तो मेरे बेटे की खुशी से बढ़कर कुछ और नहीं होना चाहिए। यह सही नहीं है।' सविता जी को अपने पति की बात अच्छे से समझ में आ गई थी।

दूसरे ही दिन सविता जी अपना घुटना लेकर बैठ गईं।

'क्या हुआ मां, घुटने में दर्द हो रहा है क्या?' रवि ने पूछा।

'हां रे, बहुत दर्द हो रहा है। अब मुझसे ज्यादा काम नहीं होता। ऐसा कर तू शादी कर ले।' सविता जी झूठ-मूठ दर्द से कराहती हुई बोलीं।

'क्या मां, कभी तुम कुछ बोलती हो तो कभी कुछ।' रवि सहज स्वर में बोला। जयप्रकाश जी अपनी पत्नी के बहाने को अच्छी तरह समझ रहे थे, इसलिए तपाक से बीच में बोल पड़े, 'अब तुम्हारी मां सठिया गई हैं बेटा। बहू आ जाएगी तो इनको सहारा मिल जाएगा।'

'ऐसी बात है तो मैं कल ही लड़की वालों को घर पर बुलाता हूं।' रवि खुशी से चहकते हुए बोला तो सविता जी की आंखें भर आईं। इस बार उनकी आंखों में स्नेह के आंसू थे।

जयप्रकाश जी ने राहत की सांस ली। *

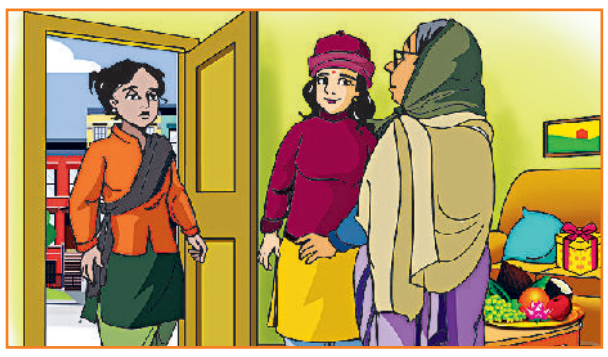

{ लघुकथा / डॉ. मोनिका शर्मा }

त्योहारी शगुन

श्वेता संक्रांति के पर्व पर दिए जाने वाले शगुन को सगे-संबंधियों और आस-पड़ोस की महिलाओं के बजाय मेड सर्वेंट्स को देती रही है। आज त्योहार के दिन सुबह-सुबह शगुन सामग्री बांटने की तैयारी में जुटी श्वेता को सासू मां ने टोका। सुहाग से जुड़ी चीजें अपनी बराबरी वालों को देने की सलाह देतीं, सासू मां के आपत्ति जताने पर उसने सहज भाव से कहा, 'इसमें बराबरी कैसी मां? यूं इस पर्व पर स्नेह स्वरूप भेंट देने की रीत पुण्य कमाने से ज्यादा परवाह के भाव से जुड़ी है। परवाह की सोच प्रेम की डोर से बंधी है। प्रेम का आधार किसी के जीवन को सहज बनाना है। सहजता किसी की आवश्यकताओं और परिस्थितियों को समझकर मदद करने की श्रद्धा से जुड़ी है।' 'अच्छा ठीक है...ठीक है।' कहते हुए सासू मां ने मुस्कुराते हुए हामी भरी। फिर थोड़ी गंभीर होकर बोलीं, 'हां, बात तो सही है। आपस में लेना-देना करने से तो इस रीत के मायने ही बदल गए। यह रिवाज बना तो सौगात स्वरूप एक-दूजे का जीवन सहज बनाने वाले सामान देने को लेकर ही है ना। समय के साथ रीत भी बदलनी ही चाहिए बहू।'

श्वेता की खुशी सासू मां का समर्थन पाकर और बढ़ गई। उसने प्यार भरे अंदाज में सूचित करते हुए कहा, 'मेरा ही नहीं, अबके बरस आपका शगुन भी ठंड के मौसम में हमारा जीवन सहज-सुविधाजनक बनाने वाली मेड सर्वेंट्स को देंगे मां।'

त्योहार के दिन घर के स्नेहमयी परिवेश में इस बात पर लगा दोनों का ठहाका डोर बेल बजते ही रुका। कड़कड़ाती ठंड में श्वेता ने ठिठके हाथों से दरवाजा खोला तो पिछले साल त्योहारी सौगात में दी स्वेटर पहने उनकी घरेलू सहायिका खड़ी थी। उसके भीतर आते ही सास-बहू ने मानवीय अनुभूतियों भरी मुस्कुराहट संग एक-दूजे की ओर देखा और शगुन की सामग्री पर जा टिकी उनकी आंखें संवेदनाओं की नमी से भीग गईं। आसमान तक छाई रंग-बिरंगी त्योहारी रौनक में आज दो पीढ़ियां परवाह के भाव से उपजे सार्थक परिवर्तन की साक्षी बनीं, विचार के बदलाव से आए व्यावहारिक परिणाम को देख रही थीं। *

लेखक ध्यान दें...

लेखक रविवार भारती में प्रकाशनार्थ अपनी रचनाएं / लेख कृपया ई-मेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर भेजें।

जीवन में सफल होने के लिए 'साइंस ऑफ सक्सेस' के बारे में पता होना जरूरी है। वास्तव में यह अपने सपने या लक्ष्य को पाने की दिशा में स्टेप बाई स्टेप की जाने वाली एक प्रक्रिया होती है। साइंस ऑफ सक्सेस क्या है और इसे जीवन में लागू करने के लिए क्या, कैसे कर सकते हैं, जानिए।

क्या आप जानते हैं साइंस ऑफ सक्सेस

{ सेल्फ इंप्रूवमेंट / कीर्तिशेखर }

मशहूर अमेरिकी लेखक नेपोलियन हिल की सबसे ज्यादा बिकने वाली किताब 'थिंक एंड ग्रो रिच' में साइंस ऑफ सक्सेस का जो फॉर्मूला बताया गया है। इसके मुताबिक अगर आप सफल होना चाहते हैं तो अपने लक्ष्य पर ध्यान लगाएं। लगातार ध्यान में बने रहना ही 'साइंस ऑफ सक्सेस' है। इसे सीखने के लिए कुछ टिप्स को फॉलो करना होगा।

बनाएं प्रॉपर वर्क प्लानिंग

यह सच है कि खुद को अपने लक्ष्य के प्रति फोकस्ड बनाए रखना एक बड़ी चुनौती होती है। यह चुनौती तभी सधती है, जब आप इसके लिए एक स्पेशल प्लानिंग बनाएं और उसे अपनाएं। इसके लिए अपने साथ एक ऐसी पॉकेट डायरी रखनी चाहिए, जिसमें आपके लक्ष्य लिखे हों और उन्हें दिन में कई बार निकालकर देखते रहें। अपने ज्यादातर काम आप तब करें, जब ऊर्जा से लबालब हों। और हां, किसी भी काम को करने से पहले ही उस काम का एक शेड्यूल बना लें और उन्हें पार्ट्स में डिवाइड कर लें। साथ ही शोर-शराबे से दूर रहने का इंतजाम करें। जो चीजें या कंडीशंस, बार-बार आपको लक्ष्य से भटकाएं, उनको अपने से दूर रखें, विशेषकर मोबाइल फोन।

मन को हमेशा फोकस्ड रखें

वैसे अपने काम में ध्यान केंद्रित करने के एक नहीं कई तरीके हो सकते हैं। ये तरीके तभी कारगर होते हैं, जब आप अपने मन को केंद्रित करने की कोई कारगर तरीका अपनाएं। दूसरे शब्दों में, अपने काम पर फोकस करने के लिए मन की एकाग्रता जरूरी है। हर दिन के लिए निर्धारित काम अगर आप उसी दिन कर लेते हैं, तो ना सिर्फ काम में लगातार मन लगा रहता है बल्कि यह आपको उत्साहित भी करता है। दिन में काम शुरू करने के पहले मन ही मन एक तात्कालिक लक्ष्य भी निर्धारित करें और उस लक्ष्य को हर हाल में पूरा करने की कोशिश करें। आपका मन बेहतर तरीके से किसी काम में तभी लगता है, जब आप अपने विचारों और भावनाओं को भी अपने लक्ष्य के साथ जोड़ लेते हैं। इससे मन और मस्तिष्क में दो अलग-अलग धाराएं नहीं रहती हैं।

शुभचिंतकों से लें प्रेरणा

दुनिया में जितने भी सफल लोग हुए हैं, उन सबके पास अपना फंडामेंटल साइंस ऑफ सक्सेस होता है। इसका दूसरे शब्दों में मतलब यह होता है कि साइंस ऑफ सक्सेस कोई निश्चित और तकनीकी रूप से एक ही डेफिनिशन नहीं होती, बल्कि आप जिस भी तरह से खुद को बेहतर परफॉर्म करने के लिए रेडी कर सकें, वही साइंस ऑफ सक्सेस का सबसे ठोस तरीका और फॉर्मूला होता है। कुछ लोग अपने लक्ष्य को हासिल करने में तब तक सफल नहीं होते, जब तक उन्हें किसी अन्य से इस मामले में जबरदस्त प्रेरणा ना मिले। अगर आप भी ऐसे लोगों में शामिल हैं तो अपने ऐसे शुभचिंतकों से मिलते रहें, जो आपको लगातार सफल होने के लिए प्रेरित करते रहें।

अपने मूल्य बरकरार रखें

सफल होने का एक प्रमुख सूत्र यह भी है कि आप जहां पर सक्रिय हों, वहां महत्वपूर्ण माने जाएं। यानी आपकी भूमिका

अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण होनी चाहिए। अगर आप अपनी मौजूदगी में महत्वपूर्ण नहीं होते तो आपके लिए किसी भी लक्ष्य को पाना आसान नहीं होता है।

रिस्क लेने से ना डरें

कुछ लोग जीवन में इसलिए भी सफल नहीं हो पाते, क्योंकि असफलता के डर से वे कभी कोई प्रयोग नहीं करते, कोई रिस्क नहीं लेते। जब आप ऐसा करते हैं तो सफल होने की संभावना बहुत कम हो जाती है। कहने का मतलब है, मनचाही सफलता पाने के लिए आपको जोखिम लेना भी सीखना होगा और गलतियां करने का साहस भी करना होगा।

महत्वाकांक्षी लोगों के साथ रहें

अगर आप ऐसे लोगों के साथ रहते हैं, जो आपकी तरह ही महत्वाकांक्षी हों, आपकी तरह ही सफल होने के सपने देखते हों और आपकी तरह ही उनके अपने लक्ष्य हों तो इसका भी फायदा आपको मिलता है। ऐसे लोगों के आस-पास होने से आप लगातार प्रेरित होते रहते हैं और जिस भी क्षेत्र में होते हैं, वहां सफलता पाने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

इस तरह यहां बताई गई बातों को अगर आप अमल में लाते हैं तो आपको सफल होने से कोई रोक नहीं सकता है।*

समुद्र तट पर नमकीन सौंदर्य की छटा रण ऑफ कच्छ

गुजरात राज्य के तटीय जिले कच्छ में स्थित रण ऑफ कच्छ, अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्व प्रसिद्ध है। हर वर्ष नवंबर से फरवरी के मध्य यहां आयोजित होने वाले रण उत्सव में देश-विदेश के पर्यटक बड़ी संख्या में आते हैं। रण ऑफ कच्छ और रण उत्सव की खासियतों पर एक नजर।

{ टूरिस्ट स्पॉट / देवेंद्रराज सुथार }

अपने देश के गुजरात राज्य में स्थित कच्छ का रण ना केवल अपने प्राकृतिक वैभव के लिए जाना जाता है, बल्कि स्थानीय कलाकारों द्वारा आयोजित रण उत्सव के लिए भी काफी लोकप्रिय है।

कच्छ के रण की प्राकृतिक स्थितिः कच्छ का रण दिखने में बहुत आकर्षक लगता है। इसके निर्माण की प्रक्रिया प्रकृति स्वयं नियंत्रित करती है। हर वर्ष गर्मियों के बाद मानसून के आगमन के साथ ही कच्छ की खाड़ी का पानी इस रेगिस्तान में आ जाता है, जिससे सफेद रण जुलाई से नवंबर के बीच एक विशाल समुद्र जैसा दिखाई देने लगता है। लगभग 26 हजार वर्ग किमी. क्षेत्रफल में फैला कच्छ का रण सिकंदर के समय में एक नौगम्य झील हुआ करती थी। अब यह दो भागों में बंट गया है। उत्तरी रण यानी ग्रेट रण ऑफ कच्छ और पूर्वी रण यानी लिटिल रण ऑफ कच्छ। यहां का तापमान गर्मियों में 44 से 50 डिग्री तक बढ़ जाता है, जबकि सर्दियों में शून्य से नीचे चला जाता है।

कच्छ के रण का इतिहासः ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार कच्छ पर पहले सिंध के राजपूतों का शासन हुआ करता था, लेकिन बाद में जडेजा राजपूत राजा खेंगरजी के समय भुज को कच्छ की राजधानी बना दिया गया। सन् 1741 में राजा लखपतजी कच्छ के राजा बने। 1815 में अंग्रेजों ने डूंगर पहाड़ी पर कब्जा कर लिया और कच्छ को ब्रिटिश जिला घोषित कर दिया गया। ब्रिटिश शासन काल में ही कच्छ में रंजीत विलास महल, मांडवी का विजय विलास आदि महल भी बनवाए गए।

भारत को मिला कच्छ का रणः आज कच्छ के रण का अधिकांश भाग भारत के गुजरात में है, जबकि कुछ भाग पाकिस्तान में है। अप्रैल 1965 में रण के पश्चिमी छोर पर भारत-पाक सीमा को लेकर लड़ाई छिड़ गई थी। बाद में ब्रिटेन के हस्तक्षेप से यह युद्ध खत्म हुआ। संयुक्त राष्ट्र के तत्कालीन महासचिव द्वारा सुरक्षा परिषद को भेजी गई रिपोर्ट के आधार पर इस विवादित मामले को ट्रिब्यूनल को भेजा गया। ट्रिब्यूनल ने 1968 में फैसला सुनाया कि रण का 10 प्रतिशत हिस्सा पाकिस्तान के पास और 90 प्रतिशत हिस्सा भारत के पास रहेगा। इस तरह एक साल बाद 1969 में कच्छ के रण का विभाजन हो गया।

आकर्षक होता है रण उत्सवः हर साल 8 से 10 लाख पर्यटक नवंबर से फरवरी तक आयोजित होने वाले कच्छ रण उत्सव को देखने, चांदनी रात के खुले आसमान में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेने, के लिए यहां आते हैं। यहां पर्यटकों को कई तरह की कलाओं और उनमें दक्ष लोगों से रूबरू होने का मौका मिलता है। रण उत्सव के दौरान कई कलाकार अपनी कला के जरिए रेत पर भारत के इतिहास की झलक दिखाते हैं। पिछले कई वर्षों में रण उत्सव के दौरान कलाकारों ने रामायण से लेकर स्वामी विवेकानंद की कच्छ यात्रा तक के पात्रों को अपनी कला में प्रदर्शित किया है। यहां आकर स्थानीय लोगों की जीवनशैली और हस्तशिल्प कला से भी रूबरू हो सकते हैं। रण उत्सव के दौरान भुज से पांच किमी. दूर रण मैदान के मध्य धोरडो गांव के पास एक पर्यटक शिविर लगाया जाता है, जहां देशी-विदेशी पर्यटकों को सभी सुविधाओं के साथ ठहराया जाता है। यहां आप डेजर्ट पेट्रोलिंग व्हीकल पर रेगिस्तान में सवारी का आनंद भी ले सकते हैं। इतना ही नहीं, इस रेगिस्तान में आपको लोमड़ी और राजहंस की दुर्लभ प्रजातियां भी देखने को मिलेंगी। भुज के पास भुजोड़ी नाम का एक गांव है, जहां वानकर समुदाय के लगभग 1,200 कारीगर रहते हैं। ये लोग यहां कपड़ा और हस्तशिल्प इकाइयों में काम करते हैं। यहां बुनकरों, ब्लॉक प्रिंटर और टाई-डाई कलाकारों से मिलने और उनके शिल्प के बारे में जानने का मौका मिलता है।

ऐसे पहुंचें कच्छ के रणः भुज, कच्छ के रण के बहुत करीब है। सभी प्रमुख शहरों के हवाई अड्डों और रेलवे स्टेशनों से यहां आया जा सकता है। भुज से रण की दूरी सिर्फ 80 किमी है। आप चाहें तो भुज से गुजरात टूरिज्म बस की सुविधा भी ले सकते हैं, जो आपको सीधे कच्छ के रण तक ले जाएगी। अगर आप फ्लाइट से आना चाहते हैं, तो बेंगलुरु, दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, तिरुवनंतपुरम और गोवा से सीधी फ्लाइट भुज एयरपोर्ट के लिए चलती हैं। अगर आप ट्रेन से कच्छ जाना चाहते हैं, तो भुज एक्सप्रेस और हजरत एक्सप्रेस दिल्ली से चलती हैं। अगर आप सड़क मार्ग से आना चाहते हैं, तो दिल्ली, मुंबई, पुणे और जोधपुर से कच्छ के रण तक पहुंच सकते हैं।*

कई तरह से फायदेमंद बादाम का पेड़

{ जानकारी / वीना गौतम }

बादाम एक मेवा है, मेवा यानी सूखा फल। बादाम को अंग्रेजी में ऑल्मंड, संस्कृत में वाताद या वातवैरी, हिंदी, मराठी, गुजराती और बांग्ला में बादाम और फारसी में बदाम शोरी कहते हैं। बादाम का पेड़ 4 से 12 मीटर तक ऊंचा होता है। बादाम के पेड़ में गुलाबी, सफेद फूल लगते हैं, फिर इन्हीं में फल बनता है।

अमेरिका में सर्वाधिक उत्पादनः जहां तक बादाम उत्पादन की बात है, तो अमेरिका इसमें पहले स्थान पर है। दुनिया में बादाम की कुल आपूर्ति का 80 प्रतिशत अमेरिका के कैलीफोर्निया से होती है।

भारत में बादाम की खेतीः भारत में बादाम उत्पादन सबसे ज्यादा जम्मू-कश्मीर में होता है। भारत में पैदा होने वाले कुल बादाम का 85 फीसदी हिस्सा जम्मू-कश्मीर से ही आता है। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा, शोपियां, कुलगाम, गांदरबल और बारामूला जिले बादाम के प्रमुख उत्पादक हैं। भारत में शेष पैदा होने वाले बादाम में से करीब 8 फीसदी हिमाचल प्रदेश, लद्दाख में होता है।

बढ़ रही बादाम की मांगः आयुर्वेद में बादाम को बुद्धि और नसों के लिए गुणकारी बताया गया है। जैसे-जैसे दुनिया भर में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सजगता आ रही है, बादाम की मांग बढ़ती जा रही है।

कमाई का बेहतरीन विकल्पः अमूमन बादाम 600 रुपए प्रति किलो से कम का नहीं मिलता और अच्छी क्वालिटी वाले बादाम की कीमत 1,000 रुपए प्रति किलो होती है। इसीलिए किसानों के लिए बादाम की खेती ज्यादा फायदेमंद होती है, इसलिए देश के कई हिस्सों में बादाम के पेड़ लगाने के प्रति किसान अधिक आकर्षित हो रहे हैं। एक बार बादाम का पेड़ तैयार हो जाए तो यह 50 साल तक फल देता है।*

विशेषः मकर संक्रांति

{ सिने-जगत / अशोक जोशी }

मकर संक्रांति के अवसर पर खूब उत्साह-उमंग से पतंग उड़ाई जाती है। हिंदी फिल्मों में इस पर्व को तो नहीं, लेकिन पतंग के टाइटल वाली फिल्में और उस पर आधारित गीत खूब बनते रहे हैं। पतंग टाइटल वाली कुछ चर्चित फिल्मों और गीतों पर एक नजर।

सिनेमा-पर्दे पर भी खूब उड़ी हैं पतंगें

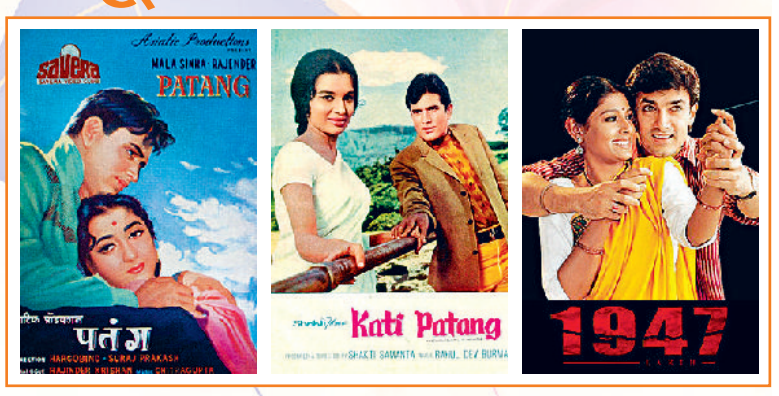

मकर संक्रांति का त्योहार पूरे देश में मनाया जाता है। विशेष रूप से उत्तर भारत में बड़े ही धूमधाम से इसे लोग मनाते हैं। इस दिन दान-स्नान के साथ ही पतंग उड़ाने की परंपरा भी है। इसी वजह से मकर संक्रांति को पतंग पर्व के रूप में भी जाना जाता है। पतंगबाजी ने ना केवल समाज में लोकप्रियता बटोरी बल्कि सिनेमा के पर्दे पर भी पतंगें खूब उड़ी हैं। फिल्मों के पतंग के टाइटल से लेकर इस पर आधारित गाने लोगों के दिलों में बसे हैं। आज भी मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग से जुड़े गीतों को बजाया-गुनगुनाया जाता है।

पतंग टाइटल वाली फिल्में

1960 में 'पतंग' नाम से एक फिल्म आई थी। इस फिल्म में राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा, राज मेहरा, मनोरमा और अचला सचदेव ने काम किया था। फिल्म का नाम 'पतंग' क्यों रखा यह तो निर्माता ही जाने, लेकिन इस फिल्म में पतंग पर आधारित एक गीत 'यह दुनिया पतंग नित बदले हैं रंग' था। जिसे एक बार सुखद और दूसरी बार दुखद भाव में फिल्माया गया था। इसके बाद फिल्मों में पतंग पर आधारित गीत और प्रसंग तो आते रहे लेकिन शीर्षक से पतंग नदारद हो गई। 11 साल बाद फिल्म 'कटी पतंग' ने इस सूनेपन को समाप्त किया। फिल्म की नायिका की स्थिति को चित्रित करने वाले शीर्षक की यह फिल्म, राजेश खन्ना और आशा पारेख के अभिनय और आरडी बर्मन के मधुर संगीत की वजह से खूब चली। इस फिल्म में एक गीत 'ना कोई उमंग है...' के दौरान उड़ती पतंग इस फिल्म में पर्दे पर दिखाई भी दी।

रील-रियल लाइफ में पतंगबाज एक्टर

ऐसा कहा जाता है कि बॉलीवुड में दिलीप कुमार ऐसे अभिनेता थे, जिनको पतंग उड़ाने में महारत हासिल थी। जब वह अपने घर की छत पर पतंग

फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान खान

उड़ाते थे तो बॉलीवुड के कई नामी निर्माता उनके पतंग के साथ डोर की चरखियां थामने को बेकरार रहते थे। इसी तरह सलमान खान ने भी ना केवल वास्तविक जीवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी(जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे) के साथ पतंग उड़ाई है, बल्कि फिल्म 'सुल्तान' में पतंग लूटने के दृश्य में भी वे नजर आए हैं। उन्होंने फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' में ऐश्वर्या राय के साथ प्यार की पतंग खूब उड़ाई थी।

पतंग पर आधारित गीत

जहां तक गानों की बात है तो हिंदी फिल्मों में पतंगों पर भी कई गाने बने और हिट हुए हैं। पतंग पर आधारित गीतों का सिलसिला 1949 में प्रदर्शित फिल्म 'दिल्लगी' से शुरू हुआ। फिल्म का गीत 'मेरी प्यारी पतंग चली बादलों के संग' तब बहुत लोकप्रिय हुआ था। इसके बोल ऐसे दिल में उतरने वाले थे कि उस दौर में पतंग उड़ाते समय लगभग हर युवा यही गीत गुनगुनाते दिखाई पड़ता था। ऐसा ही एक गीत 'चली चली रे पतंग मेरी चली रे' सन् 1957 की फिल्म 'भाभी' में जगदीप और नंदा पर फिल्माया गया था। फिल्म में पतंग उत्सव को प्रदर्शित करता यह गीत आज भी मकर संक्रांति पर टीवी चैनल और रेडियो पर सुनाई दे जाता है।

नए दौर में फिल्म 'रईस' का सुखविंदर और भूमि त्रिवेदी का गाया गीत 'उड़ी-उड़ी जाए' पतंग महोत्सव का मजा देते हुए झूमने पर मजबूर कर देता है। फिल्म 'काई पो छे!' का 'मांझा' गीत में जिंदगी के एक नए नजरिए को दिखाने की कोशिश की गई। इसके जरिए जिंदगी, रिश्ते और जज्बे की दास्तां बयां की गई।

फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' का 'ढील दे दे रे भइया' गीत पतंग उड़ाने के दौरान अकसर लोगों के मुंह से निकल ही जाता है। यह गाना काफी लोकप्रिय भी हुआ था। फिल्म 'अर्थ' के गीत 'रुत आ गई रे' में आमिर खान फिल्म की नायिका को पतंग उड़ाना सिखाते दिखते हैं। यह एक रोमांटिक गीत है, जिसे एआर रहमान ने अपनी आवाज दी है। फिल्म 'फुकरे' के गीत

फिल्म 'फुकरे' के गीत 'अंबरसरिया..' का एक सीन

'अंबरसरिया' में भले ही पतंग शब्द का जिक्र ना हुआ हो लेकिन इसमें पतंगबाजी के दौरान होने वाली अठखेलियों को बड़े ही मजेदार ढंग से दर्शाया गया है। पतंग पर अपनी प्रेमिका को प्यार भरा मैसेज लिखकर भेजना दर्शकों को उस दौर में ले जाता है, जब छतों पर पतंगों के जरिए प्यार हुआ करता था।

जिन फिल्मों में पतंग शीर्षक या पतंग पर आधारित गीत नहीं होते हैं उन फिल्मों में पतंगबाजी के दृश्यों ने दर्शकों को लुभाया है। उनमें से एक फिल्म 'दिल्ली 6' है, जिसमें पतंग के जानदार दृश्य देखने को मिले।*

{ सोशल इश्यू / दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश' }

यह बेहद चिंताजनक बात है कि बाजार की चमक-दमक के जाल में हमारे नौनिहाल फंसते जा रहे हैं। ऐसे में पैरेंट्स ही नहीं सारे समाज को सजग रहने की जरूरत है।

बहुत चिंताजनक है बचपन का बाजारीकरण

अगर यह कहा जाए कि वैश्वीकरण के मौजूदा दौर में सारा देश-समाज बाजार में तब्दील होने लगा है तो गलत नहीं होगा। चिंताजनक बात यह है कि इस बदलाव ने बचपन का भी बाजारीकरण करना शुरू कर दिया है। इसी का परिणाम है कि बच्चों के लिए उपयोगी वस्तुओं के साथ फ्रिज, वाशिंग मशीन, बाइक, कार, फर्नीचर जैसी महंगी खरीददारी में भी बच्चे बाजार के अनुकूल अपनी सहमति देने लगे हैं। मजे की बात यह कि अधिकांश मां-बाप को शायद ही इसका रंच मात्र आभास हो कि उनके बच्चों को करोड़ों की खरीद-फरोख्त के बाजारू जाल में फंसाया जा चुका है।

विज्ञापनों की बड़ी भूमिकाः सर्वेक्षण रिपोर्टों के अनुसार, बच्चों को बाजार के चंगुल में फंसाने में टेलीविजन और विभिन्न माध्यमों के विज्ञापनों का बड़ा हाथ है। सूचना माध्यमों का विज्ञापन एक तरीका है, जो हमारी आवश्यकताओं के अनुसार विकल्प प्रस्तुत करते हैं, जिसमें से हम अपनी जरूरत के अनुसार वस्तुओं का चयन कर सकते हैं। लेकिन बच्चों में विवेक कम होता है। आठ-दस साल का बच्चा यह नहीं जान सकता कि टीवी पर जगमगाते विज्ञापन वास्तविकता से कोसों दूर सिर्फ वस्तु के प्रचार होते हैं।

मीडिया की सुनियोजित प्लानिंगः बाजार की ताकतें जीवन की बदलती प्राथमिकताओं और स्थितियों के बीच अपना वर्चस्व स्थापित करना जानती हैं। माता-पिता अपनी भाग-दौड़ भरी जिंदगी के कारण बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पाते हैं। परिणामतः बच्चे अकेलेपन का शिकार हो रहे हैं। वह अपना अकेलापन बांटने के लिए निरंतर टीवी चैनलों या सोशल मीडिया के संपर्क में रहते हैं। मार्केटिंग तंत्र इसका पूरा फायदा उठाने में लगा रहता है। यह टीवी पर प्रसारित होने वाले उन्हीं सीरियलों को विशेष रूप से स्पांसर करता है, जिसमें पारंपरिक मूल्यों से मुक्त चमक-दमक भरी पाश्चात्य शैली की जिंदगी दिखाई गई होती है, जबकि औसत हिंदुस्तानी बच्चे का पारिवारिक परिवेश इससे एकदम अलग किस्म का होता है। लेकिन मासूम बच्चे यह अंतर नहीं समझ पाते हैं। वह टीवी वाली जिंदगी को सत्य मानकर उसे अपने जीवन में उतारना चाहता है।

इसके अलावा बच्चों का ध्यान खींचने के लिए तीन चौथाई विज्ञापनों में बच्चों से ही एक्टिंग करवाई जाती है। विज्ञापन का बच्चा, बाल दर्शकों को खूब आकर्षित करता है। वे विज्ञापन वाले बच्चे जैसा स्वयं भी दिखना चाहते हैं। इसलिए उन्हें वैसा ही स्कूल बैग, जूता, कैप, खिलौने, शर्ट वगैरह तो चाहिए ही, घरेलू समान भी विज्ञापन वाले बच्चे के मम्मी-पापा जैसा ही चाहते हैं। वास्तव में बच्चे जो देखते हैं, वही सीखते हैं।

नमिता उन्नीकृष्णन और शैलजा वाजपेयी द्वारा किए गए 'द इंपैक्ट ऑफ टीवी एडवरटाइजिंग ऑन चिल्ड्रेन' शीर्षक के अध्ययन के अनुसार, आठ से पंद्रह साल के पचहत्तर प्रतिशत बच्चे टेलीविजन विज्ञापनों में प्रदर्शित उत्पादों को हासिल करना चाहते हैं।

हम सभी बनें सजगः आधुनिक भारतीय समाज अपने अंदर विरोधाभास को समेटे हुए जी रहा है। एक तरफ संपन्नता और विलासिता में डूबे कुछेक लाख लोग और उनका पिछलग्गू बड़ा मध्यवर्ग है। दूसरी तरफ एक बहुत बड़ी आबादी जीवन की मूलभूत सुविधाओं से वंचित घुट रही है। लेकिन इस संवर्ग के बच्चे और किशोर विज्ञापनों के प्रभाव में, अपने ही आयुवर्ग के संपन्न परिवार के संतानों जैसा जीवन जीने की ललक रखने लगते हैं। इस प्रवृत्ति को दूर करने के लिए केवल चिंता जताने से कुछ नहीं होगा, सभी पैरेंट्स, समाज और नीति निर्धारकों को इस दिशा में कारगर कदम भी उठाने होंगे।*